राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 40.00 संख्या 235
जलजला
नागराज
अनुपम
Vinod

© RAJA POCKET BOOKS

visit us at: www.rajcomics.com

इस दुनिया में अपराध की शक्ति लगातार बढ़ रही है! इसीलिए धर्म और न्याय की शक्तियां भी एकजुट होकर अपनी शक्तियां बढ़ा रही हैं-
दिल्ली में-
ध्रुव! तुम यहां पर क्या कर रहे हो? मुझे जब यहां दिल्ली तुरन्त पहुंचने का मैसेज मिला तो मैंने समझा कि यह परमाणु का काम है!
मैंने भी मैसेज मिलने पर यही समझा था, नागराज!
मैंने भी यही समझा था!
डोगा!
मुझे तो ड्यूटी से एक दिन की छुट्टी लेनी पड़ी है! अगर यह मजाक हुआ तो मेरा तनख्वाह कटाना बेकार जाएगा!
ऐसा होना तो नहीं चाहिए इंस्पेक्टर स्टील!
किसी एक को मैसेज मिलना मजाक हो सकता है! पर सबको नहीं!
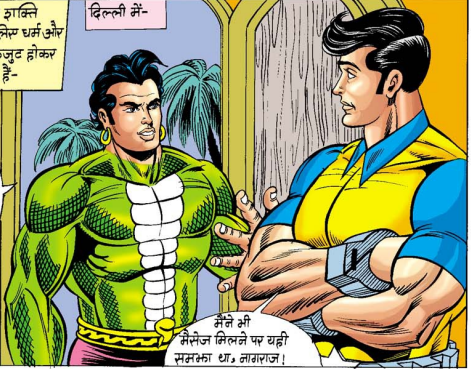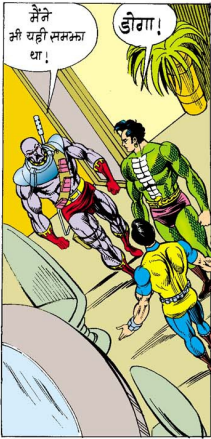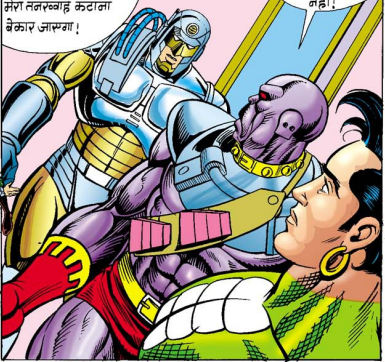
मजाक तो मेरे साथ ही रहा है! सभी समझ रहे हैं कि मैंने उनको बुलाया है, लेकिन मुझे तो खुद बुलाया गया है!
आखिर इस जगह का कोई मालिक भी तो होगा! कौन है वह?
कोई चंदा नाम की महिला है! मैं पूरी छानबीन करने के बाद ही यहां आया हूं!
जासूस तिरंगा की बात पर यकीन तो करना ही पड़ेगा! लेकिन ये चंदा है कौन? उससे हम सबका ताल्लुक क्या है?
लो! जिसे मेजबान समझ रहे थे, वह तो खुद मेहमान निकला!
मेरी मित्र है, चंदा! और यहां पर मैंने आप सबको बुलाया है!
चंदा से तुम सबका नहीं, मेरा ताल्लुक है!
शक्ति!
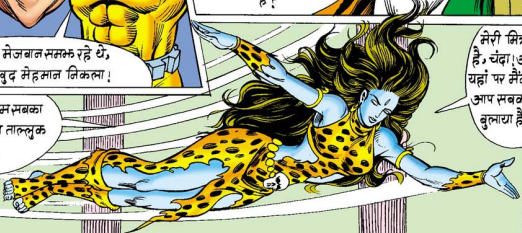
चलो, सस्पेंस तो खत्म हुआ! मेजबान का पता चल गया!

एक मिनट, एक मिनट! असली मेजबान मैं नहीं...

आप सभी के पास अद्भुत शक्तियां और अपराध से लड़ने का पर्याप्त अनुभव है! लेकिन कई बार ऐसे दुश्मन से सामना हो जाता है, जिसका सामना करने के लिए संयुक्त शक्ति की आवश्यकता होती है... इसका उदाहरण अभी हाल में ही 'हरू प्राणी' के रूप में देखने को मिला था!

इस सम्बन्ध में जानने के लिए पढ़ें –कोहराम
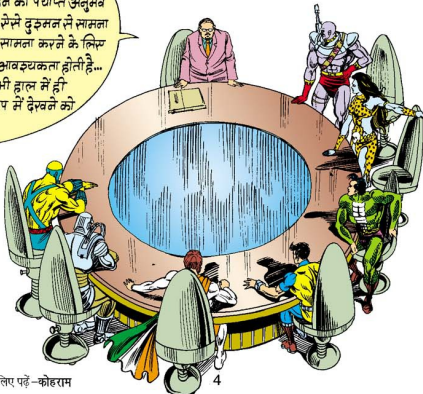
हरू प्राणी से जब आप लोग एक-एक करके लड़े, तो हरू का ही पलड़ा भारी रहा! लेकिन आपके एकजुट होते ही 'हरू प्राणी' को भागने पर मजबूर होना पड़ा!

ऐसी ही आपदाओं से निपटने के लिए हमने एक समिति बनाने का निर्णय लिया है, जिसके सदस्य आप सभी सुपर हीरोज होंगे! इस ग्रुप का नाम 'प्रोटेक्टर ऑफ द अर्थ' यानी पृथ्वी के रक्षक रखा गया है! इसका हैड-क्वार्टर यही गुप्त मकान होगा!

रक्षा मंत्रालय आप सभी को 'नागरिक पुलिस' घोषित करके कमिश्नर के बराबर अधिकार देगा!

बाकी सबकी तो समझ में आती है, लेकिन मुझे पुलिस के अधिकार देकर पुलिस का मजाक क्यों उड़ा रहे हो?

हम आपकी उपलब्धियों से नावाकिफ नहीं हैं, श्रीमान डोगा! आप तो महान अपराध-विनाशक हैं!

अच्छा, ठीक है! अब आगे भी तो बताओ!

इस सम्बन्ध में जानने के लिए पढ़ें—**महाकाल**

ठीक है, ठीक है! लेकिन हम सब जल्दी अंटार्टिका पहुंचेंगे कैसे? अंटार्टिका कोई पास में तो रखा नहीं है! और हममें से कई सुपर हीरोज में उड़ने की शक्ति नहीं है!
मैं राजनगर से अपने सुपर सोनिक जेट द्वारा दिल्ली आया हूं! मेरा जेट विमान हमको दो घंटे में अंटार्टिका तक पहुंचा सकता है!
तब तो काम बन जाएगा! हम पांच घंटे में लौट भी आएंगे!
और फिर- 'पृथ्वी के रक्षक' निकल पड़े ध्रुव के जेट में उस शक्ति से टकराने, जो पृथ्वी को भी धूल में मिलाने की क्षमता रखता था, और उसके रक्षकों को भी-

और दिल्ली में-
छुप-छुपकर कहां जा रहे हो गंगा-धरन ?
मुझे ढूंढ रहे हो क्या ?
ह... हां... हां! मैंने तुम्हारा काम कर दिया !
पूरी ईमानदारी से कर दिया! अब मेरे बीबी-बच्चे को रिहा कर दो !
उनको तो मैं पहले ही रिहा कर चुका हूं !
सच!
हां! जिन्दगी की कैद से !
अब सिर्फ तुमको रिहा करना बाकी है !
जिन्दगी की कैद से !
अभी मैं नहीं चाहता कि मेरे बारे में जानने वाला कोई भी जिन्दा बचे !
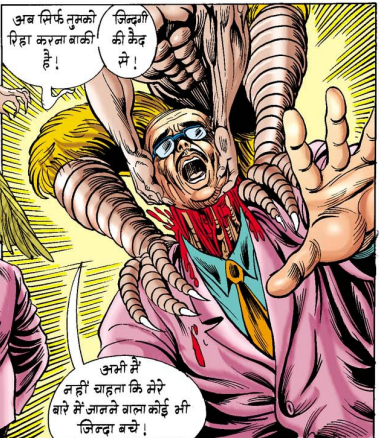
अंटार्टिका स्थित भारतीय रिसर्च स्टेशन के अन्दर-
ये है मेरा वादा, महामानव! तुम्हारे अकेलेपन का इलाज! कुछ ही घंटों में इस ट्यूब के अन्दर एक महामानवी की उत्पत्ति होगी! ... और उसके साथ तुम अपना वंश भी आगे बढ़ा सकते हो!

लेकिन तुमने मुझे अब तक यह नहीं बताया कि तुम कौन हो? और यह सब क्यों कर रहे हो? यह सच है कि अकेलापन मुझे काटने को दौड़ता है! मुझे एक साथी की जरूरत है! लेकिन यहां के वैज्ञानिकों को बेहोश करके तुम मेरी मदद क्यों कर रहे हो?

इसीलिए मैं चाहता हूं कि तुम्हारे जैसे और भी प्राणी हों! तुम्हारी प्रजाति बची रहे! इन वैज्ञानिकों को बेहोश भी इसीलिए करना पड़ा, ताकि ये मेरे महामानवी बनाने के काम में अड़ंगा न डाल सकें!
मैं प्रजातियों को लुप्त करता हूं, मानव! खुद लुप्त नहीं होता हूं!

मैं एक प्रकृति प्रेमी हूं, महामानव! कुछ शक्तियां तुमको नष्ट करना चाहती हैं! और भगवान की बनाई किसी भी वस्तु को मैं लुप्त होता नहीं देख सकता!

और मुझे खत्म करने लायक शक्ति अभी प्रकृति ने बनाई ही नहीं है!

मैं अभी आया!
आपातकालीन
कौन हो तुम?
भारतीय रिसर्च सेंटर का एक वैज्ञानिक! बचा लो मेरे रिसर्च सेंटर को! इस दुनिया को! मानवता को!... आsssह!
पूरी बात तो बताओ।

महामानव! किसी महामानव नाम के प्राणी ने हमारे रिसर्च सेंटर पर कब्जा कर लिया है! वह रिसर्च स्टेशन की सुविधाओं का प्रयोग अपने लिए एक महामानवी बनाने के लिए कर रहा है! ताकि वह अपनी सन्तानें पैदा कर सके!

उसका इरादा अपने जैसे और महामानव बनाकर पूरी पृथ्वी पर से मानवों को नष्ट कर देने का है!

महामानव का पहले तो ऐसा कोई इरादा नहीं था!

लेकिन अब है! और उसको रोकने का एक ही तरीका है! नष्ट कर दो महामानव को! वर्ना वह हम सबको नष्ट कर देगा! नष्ट कर दो उसे!

महामानव को नष्ट करना मजाक नहीं है! वैसे भी, पहले हमें उसको समझाना चाहिए!

मूर्खता मत करो! वह पहले ही कई वैज्ञानिकों को खत्म कर चुका है!

तुम लोग चाहे महामानव को नष्ट करो, या उससे बात करो...

... मैं कम से कम उस क्लोन को तो नष्ट ही कर दूंगा, जिसे महामानव पृथ्वी के विनाश के लिए बना रहा है!
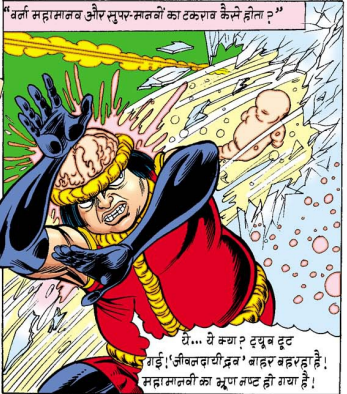
धांयSSSS

✪ इस सम्बन्ध में जानने के लिए पढ़ें–**महामानव व महाकाल**

लेकिन इस बार महामानव न तो मात खाएगा, और न ही दया दिखाएगा!
दिखाएगा तो सिर्फ तबाही का नजारा!
बचो!
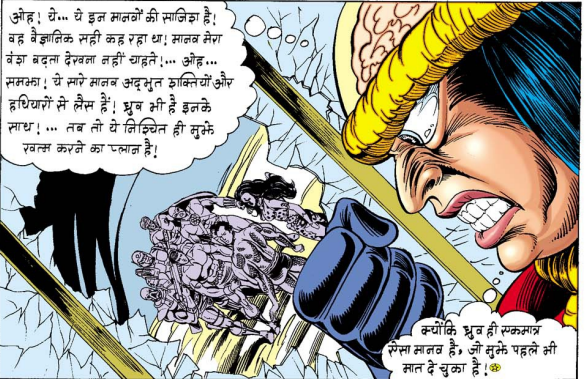
कोई नहीं बचेगा! कोई नहीं!
आ
मानसिक ड्रिल!
कोई नहीं!
मैंने तो पहली भी नहीं सुनी!
रुक जाओ, महा-मानव! इंस्पेक्टर स्टील तुमको दूसरी चेतावनी नहीं देगा!
घ
मेगागन गरज उठी-

महामानव ने अपने शरीर को 'मानसिक-कवच' में सुरक्षित तो कर लिया -
लेकिन 'मेगारॉकेट' के धक्के से बच नहीं पाया -
आऽऽऽऽह!
अब तू दुनिया को नुक्सान पहुंचाने लायक नहीं रहेगा महामानव!
गलत!
तू मुझे नुक्सान पहुंचाने लायक नहीं रहेगा!
मेरी मेगागन नष्ट हो गई!
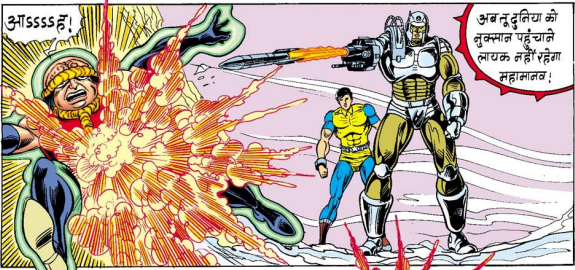
कहानी 19 पेज से जारी

रुक जाओ, महामानव!
तुमको कोई गलत-फहमी हो... आऽऽऽक!
कोई गलतफहमी नहीं है, ध्रुव!
मानव होते ही दोगले हैं! कहते कुछ हैं, करते कुछ हैं! अब मानवों का नष्ट हो जाना ही उचित है! पहले मानवों के रक्षक मरेंगे, और फिर सारे मानव!
बस! बहुत हो गया, महामानव! रुक जाओ! शांत हो जाओ! ताकि हम बातचीत से समस्या का हल निकाल सकें!
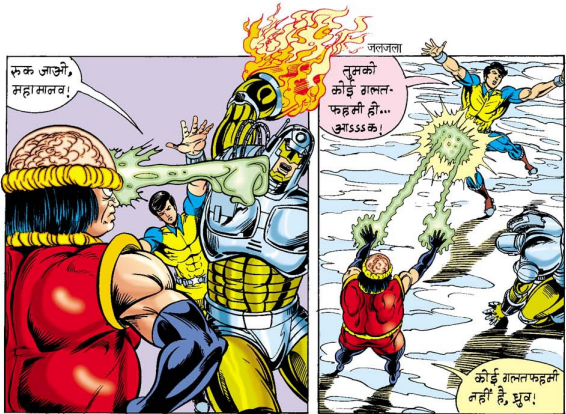
समस्या तुम लोग हो! और तुम लोगों का हल मैं हूं! तुम सबकी मौत!
आऽऽऽह!
इसको यहीं पर रोकना होगा!
बहुत हो गया! यह सचमुच दुनिया के लिए एक खतरा है!
जो हमसे नहीं संभल रहा है! वह सामान्य मानवों से भला क्या संभलेगा!
महामानव की एक ही कमजोरी है शक्ति! ऊष्मा! जो तुम्हारी ताकत है!
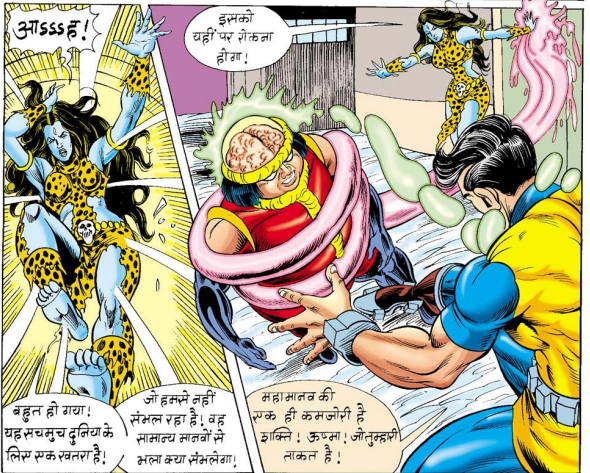
तब तो इसको मुझसे कोई नहीं बचा सकता!
एटॉमिक ब्लास्ट से गर्मी बढ़ाकर तुम्हारी मदद करता हूं, शक्ति!
रही-सही कसर मेरे गोले-बारूद पूरा कर देंगे!

वाह! महामानव को 'मानसिक कवच' पहनने का वक्त नहीं मिल पाया! यह बेहोश हो रहा है! बस सिर्फ थोड़ी सी और गर्मी की जरूरत है!
वह गर्मी मेरे 'ध्वंसक-सर्पों' से मिल जाएगी!
ओफ! यह गर्मी! मुझ पर बेहोशी छा रही है! मुझे 'मानसिक-कवच' पहन लेना चाहिए था!...
...लेकिन क्या करता? 'मानसिक कवच' पहनने के बाद मैं वार नहीं कर सकता! लेकिन...अब... अब क्या... करूं?
एक तरीका है!... है, है!
मानसिक-वार बर्फीली सतह से टकराया, और बर्फ के टुकड़े, ऊपर उड़कर महामानव के शरीर से आ टकराए-
और ठंडक मिलते ही, महामानव की मानसिक शक्तियां तेज हो गईं-

और उसके बंधन खुल गए-
अब मैं तुम 'सुपर हीरोज' को दिखाऊंगा महामानव की शक्तियां! महामानव अब अपनी मानसिक ऊर्जा को किसी भी दूसरी ऊर्जा में बदल सकता है! ... जैसे...
...विद्युत ऊर्जा में!
आऽऽऽऽऽई
शुक्र मना, महामानव कि तेरे नाम के साथ 'मानव' शब्द लगा है, और परमाणु किसी मानव की जान नहीं लेता!
वर्ना मैं ये मामूली नहीं, बल्कि वह भयंकर परमाणु वार करता, जो तुझे जलाकर खाक कर देता!
आऽऽऽह! मैं तेरे दिमाग को टटोल रहा हूं, परमाणु!
जल्दी ही मैं तेरी शक्तियों का राज भी जान जाऊंगा!
जान गया!

तेरी शक्ति तेरी बेल्ट में छुपे यंत्रों के अन्दर है! तेरी बेल्ट नष्ट हो जाएगी, तो तेरी शक्तियां भी खत्म हो जाएंगी!
मेरी बेल्ट को नष्ट करना आसान नहीं है...
...दुनिया के सबसे मजबूत 'धातु-मिश्रण' से बनी है ये बेल्ट!
आऽऽऽह! तो मैं तेरी बेल्ट को नहीं, तेरे बेल्ट की शक्तियों को नष्ट करूंगा!...
...अपनी मानसिक ऊर्जा को चुंबकीय ऊर्जा में बदलकर एक तीव्र चुंबकीय क्षेत्र पैदा करूंगा! और ये चुंबकीय क्षेत्र तेरे नाजुक यंत्रों के कार्यकलापों में व्यवधान पैदा करेगा!
धड़ाक
और तू शक्तिहीन हो जाएगा!

परमाणु और शक्ति घायल हो चुके हैं, नागराज ! तिरंगा और स्टील की हालत भी ठीक नहीं है ! सिर्फ तुम दोनों अभी तक महामानव से बचे हुए हो ! इसलिए हमको अब किसी योजना की जरूरत है !
मैं अकेला ही इसके लिए काफी हूं, ध्रुव !
वैसे एक योजना भी है मेरे पास !
वडामममम
इससे पहले कि महामानव गोलियों के धक्के से संभल पाता-
डोगा की शक्तिशाली किक ने महामानव को 'रिसर्च-स्टेशन' के जेनरेटर रूम के अन्दर उछाल दिया-
तड़ाक
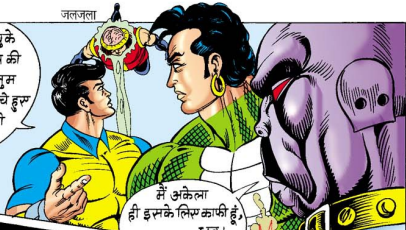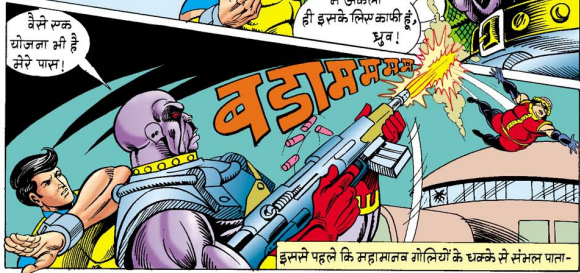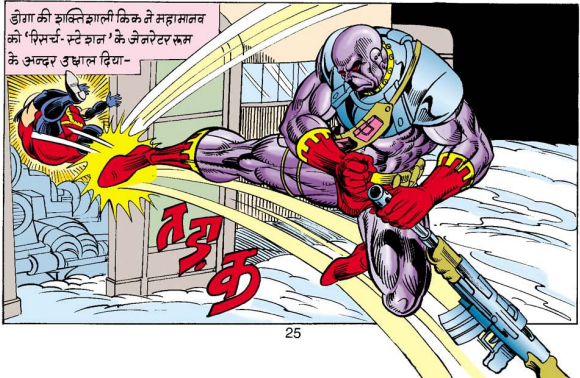
और अगले ही पल डोगा की गोलियों ने जेनरेटर के ईंधन टैंक को छेद दिया-
पेट्रोल सुलग उठा-
और पूरा जेनरेटर रूम आग का गोला बन गया-
ढ्ढ किस्स्स गरररर
महामानव के लिए ये मामूली अग्नियां ऐसे ही हैं, जैसे तुम्हारे लिए जलती माचिस की तीली, जो अपनी तपन से किसी को झुलसा नहीं सकती! मुझे रोकना है तो ज्वालामुखी की आग लाओ!
पिघली चट्टानें लाओ! लावा लाओ!
धड़ाक
खत्म हो गया, महामानव!
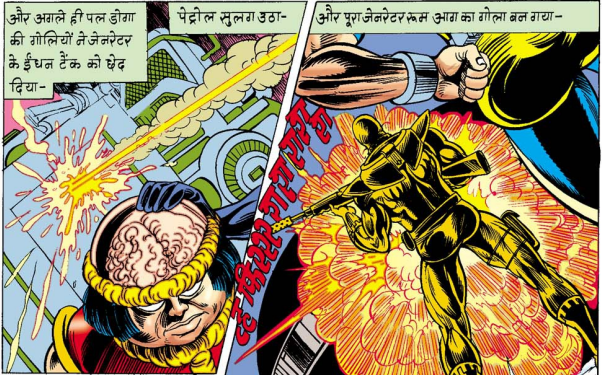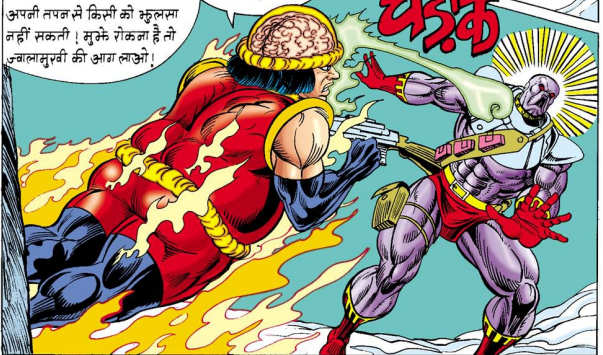
बहुत हो गया! महामानव के खिलाफ हमने संयुक्त शक्तियां भी आजमाकर देख लीं, और व्यक्तिगत शक्तियां भी! अब इस खेल को खत्म करना ही होगा! और इस खेल को खत्म करेगा... नागराज!
ये मेरी विष फुंकार की गंध है, महामानव! मानव हो या महामानव, सांस लेने की जरूरत तो सभी को पड़ती है। अब तू सांस के साथ-साथ मेरी फुंकार भी खींचेगा, और बेहोश होगा!
महामानव की मानसिक शक्तियों को कम मत समझ, नागराज! मैं सांस लूंगा जरूर! लेकिन यहां की वायु से नहीं, यहां से कई मील दूर की वायु से!
कैसी गंध है ये? ये तो मुझे बेहोशी में डुबो रही है!
आssssह!
मैंने वायु को अपने फेफड़ों में खींचकर संगठित कर लिया है! अब मुझे कई महीनों तक सांस लेने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी!
तेरी विष फुंकार अब मेरे अन्दर नहीं जा पाएगी, नागराज!
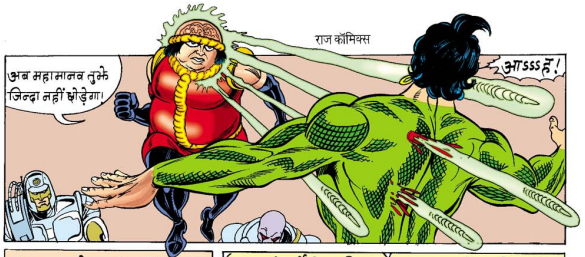
अब महामानव तुझे जिन्दा नहीं छोड़ेगा।
आsss ह!
ओह! कमाल है! मानसिक ड्रिलें आर-पार हो जाने के बाद भी तू जिन्दा है! और...और अब तू गायब हो रहा है! नहीं! नहीं! में तुझे देख सकता हूं। तू अपने शरीर को कणों में तोड़ रहा है! लेकिन इस रूप में भी तू मानसिक वारों से बच नहीं पाएगा!
तुम अपने सर्पों से मानसिक संकेत ग्रहण कर सकते हो नागराज, तो मानसिक वार छोड़ भी सकते हो!
महामानव के मानसिक वारों का जवाब अपने मानसिक वारों से दो!
हा हा हा! मुझे हंसाओ मत! एक मानव, महामानव पर मानसिक वार करेगा! मेरी मानसिक शक्ति तुझसे लाखों गुना ज्यादा है, नागराज!
आsss ह!

नागराज महामानव से जीत नहीं पाएगा! लेकिन फिलहाल उसने महामानव को उलझाया हुआ है! इसी दौरान हमको महामानव से निपटने का रास्ता निकाल लेना चाहिए!
महामानव की एकमात्र कमजोरी तीव्र गर्मी का सहन न कर पाना है! और महामानव खुद कह चुका है कि वह तीव्र गर्मी एक ज्वालामुखी में भरे लावे की ही हो सकती है!
अब अंटार्टिका की खून जमा देने वाली सर्दी में ज्वालामुखी कहां से आएगा ?
आएगा! पूरी धरती ज्वालामुखियों से भरी हुई है! यहां भी कहीं न कहीं ज्वालामुखी अवश्य होगा! इंस्पेक्टर स्टील, तुम्हारे सारे उपकरण सही- सलामत तो हैं न ?
हां!
तो फिर अपने 'स्कैनर' पर इस पूरे एरिया का चप्पा-चप्पा छान डालो! कहीं न कहीं पर ज्वालामुखी का सुराग अवश्य मिलेगा!
दूसरी तरफ-
आऽऽऽ ह! मेरी मानसिक शक्ति सचमुच महामानव के सामने कुछ भी नहीं है! मैं इसको अब और रोक नहीं सकता!
इसे सिर्फ तुम रोक सकते हो, नागराज! सिर्फ तुम! तुम भी अपनी मानसिक शक्ति को कई गुना बढ़ा लो! अपने शरीर से सर्प सेना को निकालकर!
तुम्हारे सारे सर्प जब तुम्हारे साथ, एक साथ मानसिक वार करेंगे, तो उसकी तीव्रता कई गुना बढ़ जाएगी!
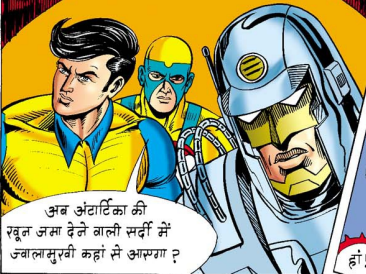
सचमुच! थैंक्यू, ध्रुव! अब मैं महामानव से निपट लूंगा!
इतना आसान मत समझ, नागराज! तू मुझे थोड़ी देर के लिए रोक तो सकता है, लेकिन मेरे हाथों अपनी मौत को टाल नहीं सकता!
जल्दी करो इंस्पेक्टर स्टील! वक्त बहुत कम है!
मिल गया ध्रुव! उस तरफ यहां से दो किलोमीटर की दूरी पर एक ज्वालामुखी है! लेकिन...
लेकिन क्या, इंस्पेक्टर स्टील?
लेकिन वह ज्वालामुखी समुद्र की सतह के नीचे है! और ऊपर बर्फ की दस मीटर मोटी पर्त जमी हुई है!
तब तो महामानव को ज्वालामुखी तक ले जा पाना असंभव काम है! वह हमको इसका मौका ही नहीं देगा!
नहीं! हमको यह एक-मात्र मौका खोना नहीं है! शक्ति, तुम बर्फ की पर्त में छेद करो! छेद ज्वालामुखी के ठीक ऊपर होना चाहिए!
फिर क्या होगा? क्या करेंगे हम?
हम नहीं मैं करूंगा!

ठीक है ध्रुव! उम्मीद है कि तुम जो भी कर रहे हो, वह सोच समझ-कर करोगे!
इसी दौरान-
आऽऽऽह! महामानव अपनी मानसिक ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में बदल रहा है!...
...मुझे झटके लग रहे हैं!
अब तेरी गर्दन को तेरे धड़ से जुदा करेगा, महामानव!
घर्रर्र
ईयाया
ये क्या है?
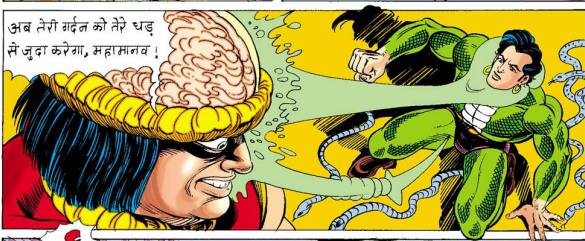
ये तुम्हारी अन्तिम यात्रा है, महामानव! ध्रुव की तरफ से एक स्पेशल चार्टड फ्लाइट द्वारा!
इतनी तेज गति से चलने के कारण महामानव को सोचने का वक्त नहीं मिल रहा है!
और किसी भी शक्ति का प्रयोग कर पाने से पहले...

कहानी 35 पेज से जारी

महामानव, ज्वालामुखी के अन्दर होगा!
ध्रुव ऐन वक्त पर 'इजेक्ट बटन' दबाकर, प्लेन से अलग हो गया-
और महामानव को लेकर 'जेट प्लेन' ज्वालामुखी की दहकती गहराइयों में घुसता चला गया-

और फिर- उस धमाके ने मिशन की सफलता का ऐलान कर दिया-
महामानव मरेगा तो नहीं, लेकिन ज्वालामुखी के लावे में हमेशा के लिए कैद होकर जरूर रह जाएगा!
आऽऽऽह!
बाप रे बाप! ठंड से पूरा शरीर सुन्न हो गया है! ... बर्र्र्र्र्!
वह बिल्डिंग के अन्दर चला गया होगा! चलो, हम सब भी वहीं चलते हैं! मदद आने तक कम से कम ठंड से तो राहत मिलेगी!
सब्र रखो ध्रुव! मैं अभी हल्की ऊष्मा पैदा करके तुम्हारी ठंड को दूर कर देती हूं! पर ये तो बताओ कि महामानव का क्या हुआ?
महामानव, ज्वालामुखी में दफन हो गया है। खतरा समाप्त हो गया है! लेकिन वह वैज्ञानिक कहीं नजर नहीं आ रहा है!

हा हा हा ! खत्म कर दिया महामानव को इन प्यारे-प्यारे सुपर हीरोज ने ! अपना आधा काम तो हो गया...

...अब बाकी बचा आधा काम करना है !... बाजील, बुलाओ मुझे दिल्ली !
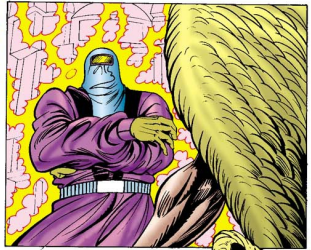
हा हा हा हा ! बधाई दे मुझे ! बधाई दे बाजील ! मैंने अपना काम कर दिया ! अब बाकी का आधा बचा काम तू करेगा ! महामानव के अलावा अब सिर्फ एक ही और ऐसा प्राणी है, जो अपनी प्रजाति का अति विकसित नमूना है, और जिससे तुझे खतरा हो सकता है ! और वह प्राणी है... कोबी ! असम के जंगलों का एक प्राणी !
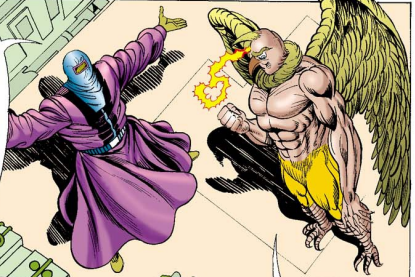
मैंने उसकी शक्तियों के बारे में सारी जानकारी इकट्ठी कर रखी हैं, और उसको खत्म करने के तरीके भी सोच रखे हैं !

मैं उसे खत्म करने के लिए बेताब हो रहा हूं, मालिक ! आदेश दें !

जलजला आने वाला था-
दिल्ली में-
ओह नो!
बुरी खबर है, सुपर हीरोज! 'पृथ्वी-के रक्षक' के संस्थापक, श्री गंगाधरन का किसी ने बड़ी बेरहमी से कत्ल कर दिया है। हत्यारे का फिलहाल तो कोई सुराग नहीं मिला है, लेकिन जल्दी ही पता चल जाएगा!
सच तो यह है कि उनका पूरा परिवार लापता है! लेकिन उन्होंने जो प्रोजेक्ट 'पृथ्वी के रक्षक' शुरू किया है, वह वैसे ही चलेगा! आपके पास एक दूसरे से संपर्क करने के लिए हाई फ्रीक्वेंसी सैटेलाइट ट्रांसमीटर रहेंगे, और यह आपका हैडक्वार्टर हर अपराध की सूचना का चौबीसों घंटे विश्लेषण करता रहेगा!
...अब अगर आप लोग चाहें तो अपने-अपने शहर वापस जा सकते हैं! हम इसकी व्यवस्था कर देंगे!
हुम! 'पृथ्वी के रक्षक' की शुरुआत अच्छी भी हुई है, और खराब भी!
गंगाधरन की हत्या संयोग है, या हमारे लिए चेतावनी!
यह न संयोग था और न ही चेतावनी-
ट्टप
यह तो आने वाले जलजले का संकेत था!

ओऽऽऽऽऽ गुर्र्र्र्र्र!
एक तो इतनी मुश्किल से जेन के पास से... इसे क्या कहते हैं... हां, कंघी गायब करके लाया था ताकि मैं भी सजा-संवरा दिखूं, और भेड़िया का बच्चा मुझे जानवर न कह सके, लेकिन कंघी करते ही चिड़िया ने मेरे बालों पर... 'टप्प' कर दिया! छी छी!
मैं इस चिड़िया के पर नोच डालूंगा।
गर्दन मरोड़ डालूंगा...
... काफी ऊपर छिपकर बैठी है! लेकिन मैंने भी कसम खाई है! मैं उसकी गर्दन मरोड़कर ही रहूंगा!
ये रही!
ही ही ही ही ही ही!
अरे, अरे, अरे! ये क्या? मेरे बालों का एकदम सत्यानाश कर दिया!
किसने कोबी के बालों को खींचने की हिम्मत की है?

मैंने! बाजील ने! चिड़िया तो तुझे ऊपर बुलाने का सिर्फ एक बहाना थी! ताकि मैं तुझे और ऊपर ले जाकर ...
... तुझे मौत की राह पर छोड़ सकूं!
मर गए कोबी को मारने वाले!
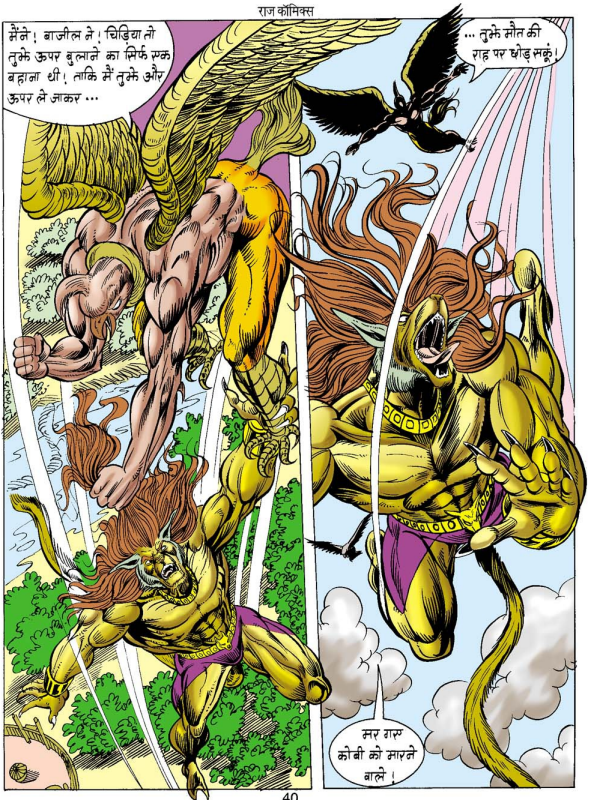
कोबी की बढ़ती पूंछ एक ऊंचे पेड़ की ऊपरी 'डाल' से लिपटी-
और फिर जो कुछ भी हुआ-
बाजील को उसकी कतई आशा नहीं थी-
उस टक्कर ने बाजील के दिमाग को हिलाकर रख दिया-
ओफ़! बाजील नीचे गिर रहा है! और इस हालत में वह अपनी मानसिक शक्तियां प्रयोग भी नहीं कर पाएगा! मुझे मदद करनी होगी बाजील की! ...

... नहीं! बाजील ने अपने आपको संभाल लिया है! फिलहाल मुझे बीच में पड़ने की जरूरत नहीं है!
तू मेरी मानसिक शक्तियों का सामना नहीं कर सकता, कोबी! मार डालूंगा मैं तुझे! नहीं बचेगा तू!
तू कोबी को दूर से मार रहा है! जरूर कोई दिव्यास्त्र है तेरे पास! तो कोबी को भी दिव्यास्त्र बुलाना पड़ेगा! अपनी गदा!
हे भेड़िया देवता! मदद!
ये गदा सारे वार रोक सकती है! ये पहले तेरे मानसिक वार को रोकेगी...
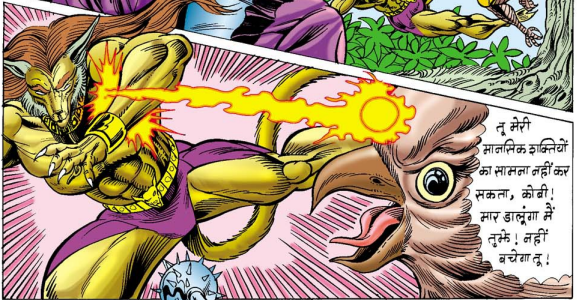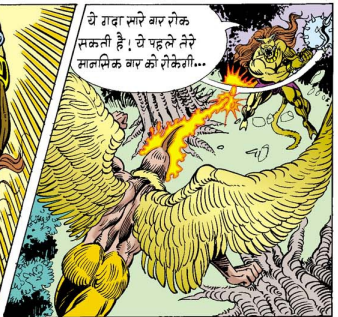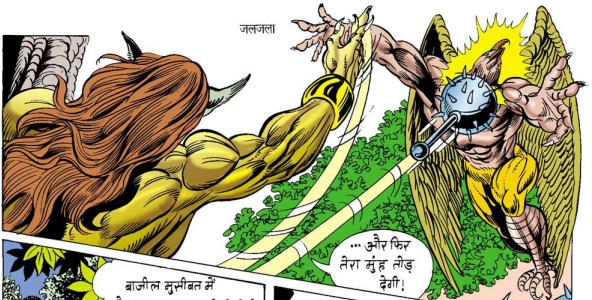
...और फिर तेरा मुंह तोड़ देगी!
बाजील मुसीबत में है! अब मदद करनी ही होगी! ये बेहोशी की दवा, दस हाथियों को बेहोश करने के लिए काफी है!
आऽऽऽ ह! ये क्या? शायद इसका कोई साथी भी यहां पर है!
घ टप
आऽऽऽ ह! सर चकरा रहा है! ... कुछ समझ में नहीं आ रहा है!
इसी दौरान-
ये तू क्या कह रहा है?
हां, भेड़िया! कोई चमत्कारी इंसानी चिड़िया कोबी को पीट रही है!

यानी जंगल में कोई नई मुसीबत आ गई है! और कोबी ने उसको छेड़कर खतरे की ओर बढ़ा दिया है!
जरा संभलकर भेड़िया! उस पक्षी मानव का एक साथी भी है!
इसी वक्त-
हा हा हा! बड़ा मजा... हिक्... आ रहा है, भाई!... हिक्! तू भी मार खाकर देख!...
...तुझे भी बहुत मजा आएगा!
हिक्!
ये क्या हो गया? इस पर तो बेहोशी वाली दवा का उतना ही असर हुआ, जितना एक नशेड़ी पर शराब का होता है!
अब मेरे पास ये दूसरी खतरनाक दवा बची है! लेकिन इसका सीधे कोबी के खून में मिलना जरूरी है! यहां से मैं ऐसा निशाना तो नहीं लगा सकता...
...बाजील से मानसिक संपर्क करता हूं!
शायद उसके पास कोई योजना हो!
मानसिक संपर्क होते ही-
हा हा हा! गुड आइडिया बाजील!
तेरे द्वारा भेजी गई बेशुमार चिड़िया इस दवा से अपनी चोंचें भिगोएंगी!
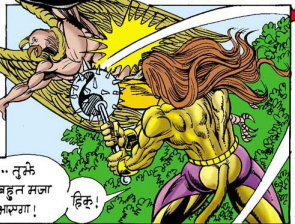
और फिर कोबी के शरीर में चोंचें गड़ाकर, इस दवा को उसके खून में पहुंचा देंगी!...
... इस दवा के असर से कोबी बच नहीं पाएगा!
हट, हट! ये क्या? एकाएक चिड़ियों का दल मुझ पर हमला क्यों करने लगा? जरूर ये इस बाजील का काम है!
लेकिन कोबी तोड़ डालेगा इन चिड़ियों की चोंच और पंजों को!
तोड़ डालेगा!... आऽऽऽह! आंखों के आगे अंधेरा छा रहा है! लेकिन कोबी हारेगा नहीं...
... हारेगा नहीं! आऽऽऽह!

दूसरों के शरीर से तो कोबी लड़ सकता था! लेकिन अपने शरीर से भला कोई कैसे लड़े?
हा हा हा!
अब मुझसे लड़कर दिखा, कोबी!
इसकी गदा ले लो बाजील, क्योंकि वह मानसिक शक्ति को भी रोक सकती है! फिर इसकी हड्डियां एक-एक करके तोड़ना!
गदा तो है ही नहीं! कहीं गायब हो गई है! अरे... कोई इधर ही आ रहा है!
अब क्या करें, मालिक?
रुकना बेकार है, कोबी तो मरेगा ही मरेगा!
इसको मेरी दवा से कोई नहीं बचा सकता!
यहां से चलो, बाजील!
अभी बहुत काम है!

दुनिया पर राज्य करने के लिए हमको अभी कई शक्तिशाली इन्सानों को खत्म करना पड़ेगा! खासतौर से नागराज, ध्रुव, डोगा, परमाणु जैसे सुपर हीरोज को! शुरूआत नागराज से होगी!
कोबी की तरफ आने वाले कदम भेड़िया के थे-
कोबी! हा हा हा हा! आखिर तुझे दूसरों से पंगा लेने का सबक मिल ही गया! मिल गया सेर को सवा सेर!
उसे... आऽऽऽह... रोको भेड़िया! वह...सब कुछ...तबाह कर देगा!
कोबी! क्या हुआ तुमको कोबी? यह तो बुरी तरह से घायल है, भेड़िया! इसके शरीर से किसी दवा की महक आ रही है... इस पर सुनियोजित तरीके से हमला किया गया है! इसको तुरन्त फूजो बाबा के पास ले जाकर इलाज शुरू कराना होगा!
दुनिया को बचा लो भेड़िया!... आह! जंगल को बचा लो! नागराज... नागराज को ढूंढो! दुष्ट बा... बाजील वहीं मिलेगा! खत्म... खत्म कर देना उसे... मेरी गदा... जरूर ले... जाना! वही... बाजील की मानसिक ताकत का... मुकाबला करे... गी! आऽऽऽ ह!
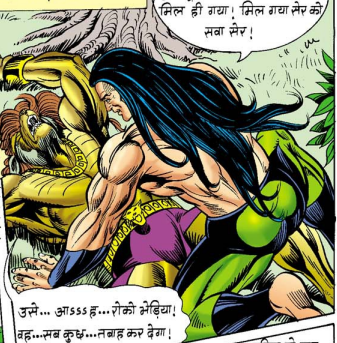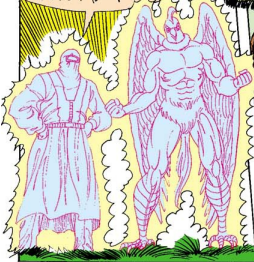
तूने पहली बार भेड़िया से कुछ मांगा है कोबी! भेड़िया जान देकर भी तेरी मांग को पूरा करेगा! नहीं नष्ट होगी दुनिया!
नष्ट होगा तो सिर्फ बाज़ील!
बाज़ील और उसका 'मालिक' अभी सफलता के सातवें आसमान पर घूम रहे थे-
हा हा हा! खत्म हो गया महामानव! और खत्म हो गया कोबी! अपनी-अपनी प्रजातियों के शानदार विकसित नमूने खत्म हो गए!... अब सिर्फ शेरों को मारना है! यानी सुपर हीरोज को! फिर ये दुनिया वाले, रेंगने वाले कीड़ों की तरह हमारे कदमों पर लोटेंगे!
तू भी तो उनमें से ही एक है, 'मालिक'!
और सबसे पहले दुनिया के मालिक बाज़ील के सामने, रेंगने वाला इन्सान बनेगा तू!... तू, मालिक... तू!
आऽऽऽह!
ये क्या कर रहा है, कमीने? भूल गया कि मैंने तुझे जन्म दिया है!
तू भी भूल जाएगा कि मैंने तुझे मारा है! मरने के बाद भला क्या याद रहे...
...आऽऽऽह! पेट! पेट में दर्द!
तुझे भूख लग रही है, बाज़ील! और तेरा खाना सिर्फ मैं बना सकता हूं!
तेरा स्पेशल खाना!

मुझे... मुझे माफ कर दो, मालिक! मेरा... मेरा दिमाग खराब हो गया था! खाना दो मुझे! मेरा खाना दो! दे दो, वरना ये पेट की ऐंठन मेरी जान ले लेगी!
सही समय पर संभल गया तू! अब खाना खा और लग जा काम पर! सबसे पहले हमको उन सुपर हीरोज को खत्म करना होगा, ताकि हमको रोकने वाला कोई न रहे!
अरे... अरे! यह क्या? जिस 'मानसिक ऊर्जा' को मापने वाले यंत्र की मदद से मैंने महामानव को ढूंढा था, वह फिर संकेत दे रहा है!...
... लेकिन... लेकिन इतनी मानसिक ऊर्जा छोड़ सकने वाला अब कौन हो सकता है! नहीं, और कोई नहीं हो सकता! ये महामानव ही है!
बच गया है! महामानव किसी भी तरह से बच गया है!
महामानव की किस्मत उसके साथ थी-
वह बच गया था, क्योंकि-
आssssह! ये ज्वालामुखी फटने वाला था! वाह! मैं तो बच गया! लेकिन मुझे मारने का प्रयास करने वाले वे सुपर हीरोज नहीं बचेंगे! तड़पा-तड़पा कर मारूंगा उनको!
यह तो गड़बड़ हो गई, मालिक! अब क्या होगा?
कुछ नहीं होगा! अब सुपर हीरोज को मारने की जहमत हमको नहीं उठानी पड़ेगी! महामानव खुद ये काम करेगा!
अपना बदला इन सुपर हीरोज से लेगा, महामानव!
फिर हमारा काम सिर्फ महामानव को मारना रह जाएगा! इन्तजार करो और तमाशा देखो!

मेरे सामने कितना सुंदर भविष्य था! लाखों वर्षों के अकेलेपन के बाद मुझे एक महामानवी का साथ मिलने वाला था! मेरा बच्चा पैदा होता! मेरा वंश आगे बढ़ता!... कितना अच्छा था वह मानव वैज्ञानिक, जिसने मुझे एकाएक आकर चौंका दिया था!

कौन है तू, मानव? यहां तक कैसे आ गया? बता!

न न न! वार मत करना, महामानव! मैं तुम्हारे भले के लिए आया हूं! तुम्हारे बारे में मैं पहले से जानता हूं! वैसे भी सुपर कमांडो ध्रुव से हुई तुम्हारी मुठभेड़ें* तुमको दुनिया के सामने ला चुकी हैं!... लेकिन अभी-अभी जो मुझको पता चला, उसने मुझे तुमको, मानसिक ऊर्जा मापने वाले इस यंत्र के द्वारा ढूंढ़ने पर मजबूर कर दिया!...

... मानव तुमको नष्ट करने की योजना बना रहे हैं! कुछ सुपर हीरोज इस काम के लिए तैयार किए गए हैं! सुपर कमांडो ध्रुव भी उनके साथ है!
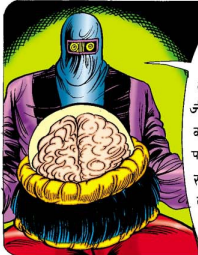
मैं एक प्रकृति प्रेमी हूं! भगवान द्वारा बनाई गई किसी भी वस्तु को लुप्त होता नहीं देख सकता! पेशे से मैं एक जीव वैज्ञानिक हूं! मैं वादा करता हूं कि मैं तुम्हारा अकेलापन दूर करूंगा! तुम्हारे लिए एक महामानवी की रचना करूंगा! ताकि तुम अपने वंशजों को पैदा कर सको, और महामानव कभी नष्ट न हो!

तुम मेरा अकेलापन दूर करोगे! वाह! मैंने तो इसकी सपने में भी कल्पना नहीं की थी! लेकिन ये होगा कैसे?

उस 'रिसर्च-स्टेशन' में ऐसा करने की सारी सुविधाएं मौजूद हैं!

*इस सम्बन्ध में जानने के लिए पढ़ें–**महामानव व महाकाल**

तुमको सिर्फ 'रिसर्च सेंटर' के वैज्ञानिकों को बेहोश करने में मेरी मदद करनी होगी! ताकि वे महा-मानवी बनाने के मेरे काम में टांग न अड़ा सकें!
मैंने वैसा ही किया! लेकिन मानवों ने मुझे मारने की कोशिश की! मेरे विश्वास को तोड़ दिया!
अब मैं मानवों का वही हाल करूंगा, जो मैंने डायनासौरों का किया था! नष्ट कर दूंगा इस वर्तमान मानव प्रजाति को! और पृथ्वी पर बसाऊंगा अपने गुलाम मानवों की आबादी! वे मानव, जो मैं इन सुपर हीरोज की कोशिकाओं से बनाऊंगा! उस वैज्ञानिक को देखकर मैंने भी इसका तरीका समझ लिया है!
और इस बदले की 'शुरुआत' होगी उनकी मौत से, जिन्होंने मेरे सपनों को मार डाला! सुपर हीरोज की मौत से! और मेरा पहला शिकार बनेगा सबसे शक्तिशाली सुपर हीरो... नागराज!
नागराज- महानगर का रक्षक-
तो मुझे सही खबर मिली थी! फर्टिलाइजर प्लांट पर हमला हो रहा है...
...अगर यहां से खतरनाक गैसों का रिसाव हो गया तो पूरा महानगर खतरे में पड़ जाएगा!

इससे बाद में पूछूंगा कि ये कौन है, और ऐसा क्यों कर रहा है! ... फिलहाल तो पहला काम इसको रोकना है!
नागराज! तू मुझे रोक नहीं पाएगा! ...
... नष्ट कर दूंगा मैं इस प्लांट को, और इस शहर को!
हर अपराधी यही महत्त्वाकांक्षा लेकर महानगर आता है!
आऽऽऽह!
लेकिन आज तक सफल नहीं हो पाया!
बता कि तू ये सब क्यों कर रहा है?
जमीन में खाद और अन्य रसायन मिलाने के लिए! ...
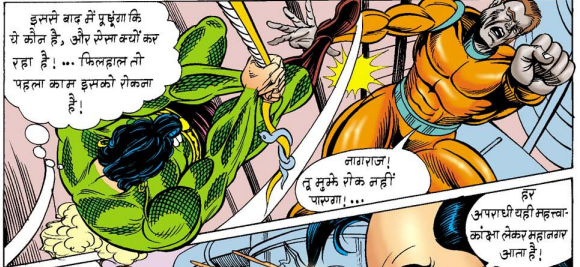
... ताकि तुझे अपने रास्ते से हटा सकूं!
ओह! खाद के रहस्यमय मिश्रण के प्रभाव से मामूली पौधे भी तेजी से बड़े होकर मुझ पर हमला कर रहे हैं!
मुझे जकड़ रहे हैं! लेकिन मैं इनको उखाड़ फेकूंगा!
कोई फायदा नहीं है! पौधों की संख्या बहुत ज्यादा है! ये प्लांट को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं! इनका कोई स्थायी हल निकालना होगा! ...
... पौधे भी जीवित होते हैं! इसलिए मेरा विष इनको भी मार सकता है!
नागराज की फुंकार के 'विषकण' जमीन में घुसते चले गए-
और-
ले! अब यहां पर चाहे जितनी खाद डाल ले, घास का एक तिनका तक नहीं उगेगा!
तूने वही कर दिया, जो मैं चाहता था, नागराज! ... अब देख अपनी जहरीली शक्तियों को अपनी ही मौत बनते हुए!
अरे! ये फर्टिलाइजर प्लांट गायब कैसे हो रहा है?
इसे मैं गायब कर रहा हूं! ताकि तू अब इसकी खाद और गैसों का प्रयोग अपने को बचाने के लिए न कर सके!

महामानव ! यानी... यानी फर्टिलाइजर प्लांट पर वेष बदलकर हमला तुम कर रहे थे ! लेकिन तुम ज्वालामुखी से बच कैसे निकले ?

मुझे तो बचना ही था ! क्योंकि तुम सबकी मौत मेरे हाथों में ही लिखी हुई है !

देख, अपनी मौत को ! यह पौधा तेरी मौत बन-कर उग रहा है !

सूर्य की जीवनदायी किरणें इसका तेजी से विकास करेंगी !
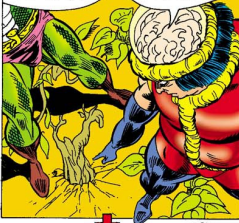
मेरे जहर के कारण यह पौधा, पेड़ कभी नहीं बनेगा, महामानव !

वैसे भी, यह रात का वक्त है ! तुम सूर्य कहां से लाओगे ?

चाहे जितना तड़प ले, लेकिन इसके चंगुल से तेरी लाश ही छूटेगी नागराज।
मर नागराज मर!
तू अगर समझता है कि तेरे द्वारा बनाया गया यह विचित्र 'वृक्षस' मुझे मार सकता है तो ये तेरी भूल है, महामानव!

जरूर मारेगा! वृक्षस तेरा सारा विष-युक्त खून चूस लेगा! क्योंकि विष ही इसका भोजन है!
अगर मुझे पकड़ सकेगा, तभी चूसेगा न मेरा विष? इच्छाधारी शक्ति मुझे आजाद कर देगी!
तू कणों में बदलकर भी महामानवसे बच नहीं सकता! मेरी शक्तियां तुझे असली रूप में आने पर मजबूर कर देंगी!
वृक्षस ने फिर मुझे पकड़ लिया! यह मेरा खून चूस रहा है! मुझे कमजोर कर रहा है! इसको जड़ से ही उखाड़ फेंकता हूं!
उम्ममफ! नहीं उखड़ता!
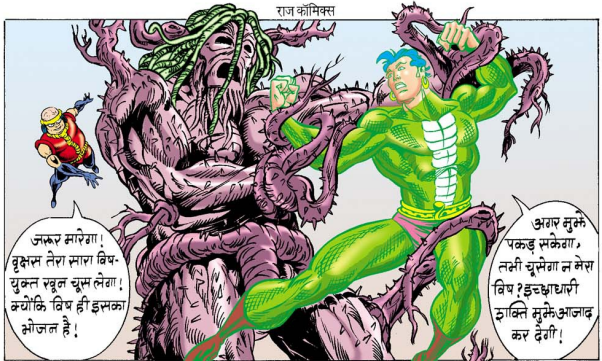
अब देर मत कर, वृक्षस! इसको निगलकर इसका सारा विष एक साथ चूस ले!
ये निगलेगा तो जरूर! लेकिन मुझे नहीं! मेरे ध्वंसक सर्पों को!
देख, महामानव! खत्म हो गया, वृक्षस!
इसका काम सिर्फ तेरे रक्त और कोशिका को हासिल करना था, नागराज!

अब इस रक्त और कोशिका को विकसित करके मैं बनाऊंगा तेरा विकसित रूप! भविष्य का नागराज!

अगर तेरे वंशज तेरी शक्तियों के साथ पैदा होते रहेंगे...

... तो आज से हजारों वर्ष बाद वे ऐसे ही दिखेंगे...

... मिलो अपनी मौत से, नागराज! तेरा ही विकसित रूप...

... नाजगर!

महामानव ने अपनी मानसिक लेंस से छनती किरणों से मेरी कोशिका को विकसित करके एक खतरनाक प्राणी में बदल दिया...

आऽऽऽह

आऽऽऽ ह! सर घूम गया! भविष्य के नागराज की विष फुंकार मेरा दम घोंट रही है! अपनी सबसे शक्ति-शाली शक्तियों का प्रयोग करना पड़ेगा!
तीव्रतम विष फुंकार छोड़ता हूं!
आऽऽऽ ह! नागराज का तेरी फुंकार से सर चकरा रहा है!
फर्रर्र र्र र्र
इसको अपने से दूर फेंकना होगा!
ओह! मैं तो सिर्फ नाग की तरह लहरा सकता हूं! लेकिन इसका लचीलापन तो आश्चर्य-जनक है!
इसको फिर से कोशिकाओं में बांट देता हूं! ध्वंसक सर्पों के जरिए!
वार भीषण था-
लेकिन नागराज का जवाब और भी भयंकर था-
आऽऽऽह!
नागराज के पास ध्वंसक सर्पों से कई गुना अधिक विनाश-कारी सर्प मौजूद हैं!
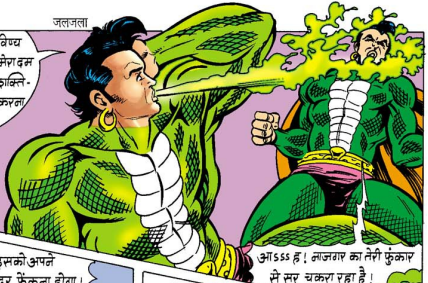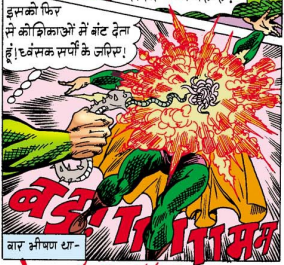
तू घायल हो गया है, नागराज! अब नागगर तुझे वैसे ही निगल जाएगा, जैसे छोटे सांप को बड़ा सांप!
तू तो अब मरे के समान हो गया है नागराज! इससे पहले कि मेरे दूसरे दुश्मन सतर्क हो जाएं, मैं उनको भी मारने पहुंच जाता हूं! अब डोगा की बारी है!
ओह! डोगा को या किसी और को सतर्क करने का समय नहीं है!
नागगर मुझे निगलने के लिए जकड़ चुका है!
अब तू नहीं बचेगा, नागराज!
विषदंश का प्रयोग करना खतरनाक होगा! क्या पता इसका विकसित विष मुझे ही गला दे! पूरी शक्ति वापस आने तक इच्छाधारी शक्ति का प्रयोग करके बचते रहना होगा!
ओह! नागगर भी मेरे साथ इच्छाधारी कणों में बदल गया है!
ये तरीका भी बेकार रहा! मुझे सामान्य रूप में आना ही पड़ेगा! लेकिन अब क्या करूं? इससे निपटने के लिए अभी तो मेरी शक्ति भी...
... अरे! यह गदा? कौन आ गया है मेरी मदद करने के लिए?
भेड़िया! कोबी का दूसरा रूप! इसके मुंह से तुम्हारा नाम सुनकर मैं यह जान चुका हूं कि तुम नागराज हो! ... लेकिन यह कौन है? बाजील तो नहीं हो सकता! क्योंकि वह तो आधा पक्षी और आधा इंसान है!
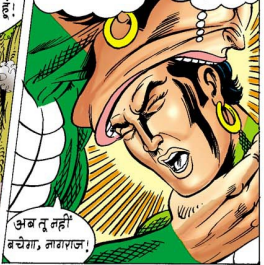
बाजील! ये बाजील कौन है? ये तो नागराज है! मेरी कोशिका को विकसित करके बनाया गया मेरा भविष्य का विकसित रूप!
ओफ्! कुछ समझ में नहीं आ रहा है। ये हो क्या रहा है, और इसे कर कौन रहा है? खैर, पहले नागराज से निपट लूं, फिर आराम से स्थिति को समझूंगा!
मेरी गदा इसका हर वार रोक सकती है!
तुम इसका वार रोको, और मैं इस पर वार करता हूं!
ओह! तो तुम दोनों नागराज से एक साथ लड़ना चाहते हो!
नागराज तुम दोनों से एक साथ निपट सकता है!
तेरे सांप मुझ तक पहुंच ही नहीं...
... आऽऽऽह! गदा मेरे हाथों से छूट गई है!
उड़न सर्प! ये मुझे हवा में उठा रहे हैं! और... और मुझे काट भी रहे हैं!
मुझ पर बेहोशी छा रही है!
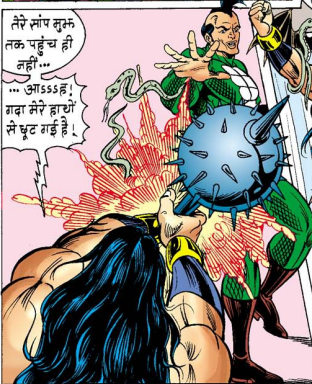
...और इसको सख्त जमीन से टकराने से बचाना भी होगा! ओह! भेड़िया की हड्डियां तो बच गईं, अब इसकी जान बचानी है! जहर चूसकर!
आऽऽऽह!
ओह! भेड़िया नीचे गिर रहा है! और उस पर जहर भी चढ़ रहा है! मुझे इसका जहर भी चूसना होगा!...
न तो ये बचेगा, और न ही तू नागराज!
ओह! इसने मुझे अपनी पारदर्शी केंचुली में जकड़ लिया है!
तड़ाक
मैं न तो इसको फाड़ पा रहा हूं, और न ही सांस ले पा रहा हूं! साथ ही साथ ये मुझे 'मानसिक-लेंस' से छनकर आती किरणों की तरफ ढकेल रहा है! पर क्यों?
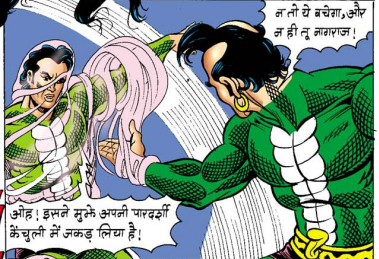
समझ गया! किरणों के प्रभाव से इसकी केंचुली की हर कोशिका फिर तेजी से बढ़ेगी, और मुझे चारों तरफ से ढककर एक ऐसी कैद में बन्द कर देगी, जिससे मैं कभी बाहर नहीं निकल पाऊंगा!
लेकिन नागराज से निपटने के लिए मैं क्या करूं?
ये विकसित करने वाली किरणें! अगर ये नागराज का और विकास कर दें तो नागराज क्या बन जाएगा?
तड़ाक
जो बनेगा, वह जरूर खराब ही होगा! वरना महामानव नागराज को और विकसित करता, ताकि वह मुझे और जल्दी मार सके!
नागराज का ख्याल सही था-
ओह! यह तो विकसित होकर... बन्दर बन रहा है! यानी बन्दर का विकास होकर इन्सान बना, और इन्सान विकसित होता हुआ फिर से बन्दर बन जाएगा! शायद इसीलिए इसको 'विकासचक्र' कहते हैं! यानी जहां से शुरू, वहीं पर खत्म!
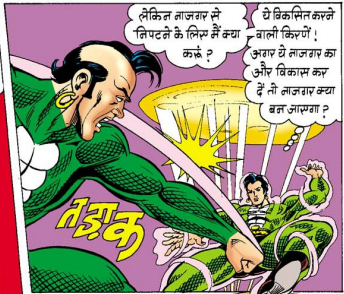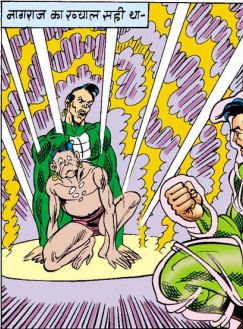
नागराज तो विकसित होकर बन्दर बन गया, लेकिन मुझे इस 'केंचुली कैद' में बन्द कर गया! कैसे आजाद करूं अपने-आपको इस कैद से? मेरा दम घुट रहा है, और साथ ही साथ भेड़िया के शरीर में जहर भी फैलता जा रहा है।... भेड़िया! हां, भेड़िया की चमत्कारी गदा इसे सख्त केंचुली को फाड़ सकती है!
-नागराज ने भेड़िया के शरीर से सारा जहर चूस लिया-
खच
केंचुली उतारने के बाद-
आऽऽऽह! कहां गया वह नागराज?
बन्दर बन गया!
अब बताओ! यह बाजील कौन है? तुम महानगर में मेरे पास कैसे आ पहुंचे? रुको! यह सब मुझे रास्ते में बताना! फिलहाल हमको डोगा को महामानव से बचाना है!
डोगा! खैर चलो!
इसी वक्त-
हाहाहा! देखो, महामानव महानगर से चलकर मुंबई की तरफ बढ़ रहा है!
यानी उसने नागराज को मार दिया है!
और अब डोगा की बारी है!

कहानी 67 पेज से जारी

मुंबई में-
कुछ समझ में आया नहीं, अदरक चाचा! डोगा एक वांटेड मुजरिम है! उसको 'नागरिक पुलिस' के अधिकार भला कैसे दिए जा सकते हैं? मुझे तो इस सारे गोरखधंधे के पीछे कुछ गड़बड़ नजर आ रही है!
डोगा चाहे मुजरिम हो सूरज, लेकिन है तो वह एक अपराध विनाशक!
वैसे भी इसमें तुम्हारा घाटा भी क्या है?
बाद में सोचूंगा चाचा! फिलहाल तो डोगा शिकार पर जा रहा है! इन्सानी जानवरों के शिकार पर!
जूहू की एक अंधेरी गली में-
ले! एकदम खालिस प्योर माल है!
रंजा चॉक पाउडर मिलाकर माल नहीं बेचता! इसीलिए दाम भी खालिस लेता है! निकाल पुड़िया के पांच सौ!
तड़ाक
गिन... एक...
डोगा!
हां, डोगा!...
... तू नशा बेचता है तो डोगा बारूद बेचता है! वह भी एकदम फ्री!
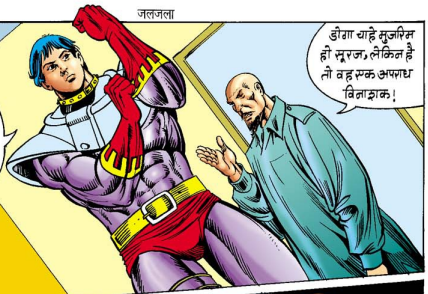
ले! चख इसका नशा!
तड़पा क्यों रहा है कमीने! मुझे गोली मार-कर खत्म क्यों नहीं कर देता?
इतनी आसान मौत दूंगा तो तुझे एड़ियां रगड़-रगड़ कर मरने वाली मौत का एहसास कैसे होगा! वैसी ही मौत, जो तेरा नशा देता है!
फ़ऊऊऊ
बारूद के पाऊडर में आग लगा दी।
आऽऽऽह! इतनी अक्ल तुझमें कहां से आई, रंजा?
मैंने दी! ताकि तेरी मौत आसान हो सके!
लेकिन तुझे मारने से पहले मैं तेरी एक कोशिका जरूर रख लूंगा! तेरा प्रतिरूप बनाने के लिए!
इस वक्त इसका दिमाग मेरे कब्जे में है! और इसका शरीर इसके दिमाग के कब्जे में! ये वही करेगा जो मैं चाहूंगा!
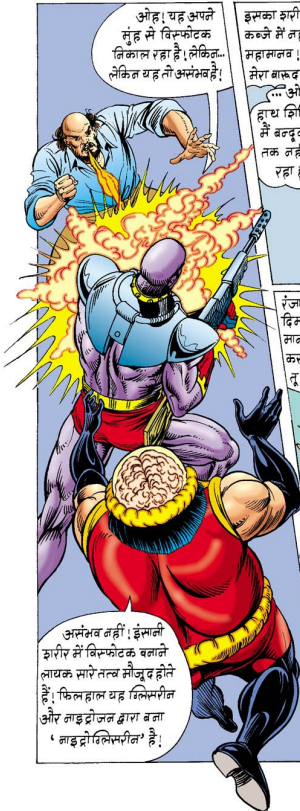
ओह! यह अपने मुंह से विस्फोटक निकाल रहा है! लेकिन... लेकिन यह तो असंभव है!
इसका शरीर अब तेरे कब्जे में नहीं रहेगा, महामानव! फाड़ डालेगा मेरा बारूद इसका शरीर!...
...ओह! मेरे हाथ शिथिल हो रहे हैं! मैं बन्दूक से निशाना तक नहीं लगा पा रहा हूं!
धड़ाम
असंभव नहीं! इंसानी शरीर में विस्फोटक बनाने लायक सारे तत्व मौजूद होते हैं! फिलहाल यह ग्लिसरीन और नाइट्रोजन द्वारा बना 'नाइट्रोग्लिसरीन' है!
रंजा तेरे दिमाग पर मानसिक वार भी कर रहा है! अब तू मरेगा डोगा!
नहीं! डोगा नहीं मरेगा! डोगा की मौत मरेगी! भौं भौं भौं भौंsss
ईआऽऽऽहह
देख! तेरे मोहरे के चिथड़े उड़ाकर रख दिए हैं मेरे दोस्तों ने! और अब तेरी बारी है महामानव!
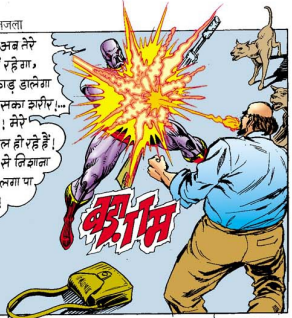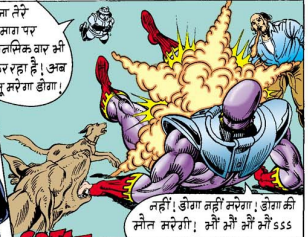
नहीं, डोगा!
मरने वालों की लाइन में पहले तू लगा है!
तुझमें शारीरिक ताकत चाहे जितनी भी हो, वह मानसिक ताकत से ज्यादा कभी नहीं हो सकती!
ताकत तन और मन की सम्मिलित शक्ति को कहते हैं, महामानव!
और अगर डोगा ने किसी को खत्म करने का मन बना लिया तो उसे महा-मानव की ताकत तो क्या...
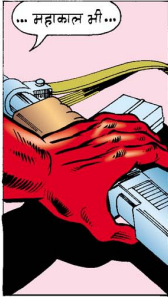
... महाकाल भी ...
बड़ाम
...रोक नहीं सकता!
ई याSSSSS
मर गया शैतान! मेरी जान लेने के पहले न जाने कितने निर्दोषों को मार डाला होगा कमीने ने! अब मुझे यहां से निकल जाना चाहिए! ... पुलिस को आने में देर नहीं लगेगी!
अल्ट्रासोनिक सीटी बजाकर अपने दोस्त कुत्तों को बुलाना चाहिए!
मेरे दोस्त, मेरे सामान को ले जाकर मेरे हथियारों के गोदाम में रख आएंगे!
वुफ वू वूSSS वुफ... (आओ दोस्तों! आज देर क्यों हो गई?)
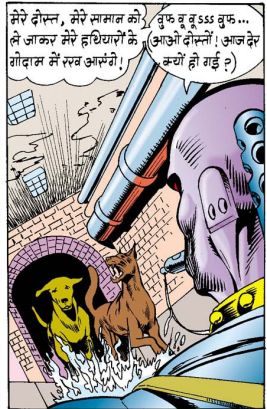
क्या? मेरे 'हथियार गोदाम' में कोई घुस आया है! तुमको मार रहा है! पर कौन?
आओ मेरे साथ! ओफ़!
पानी में मेरे दोस्तों की लाशें तैर रही हैं!
किसने मारा इनको...
...आssss ह!
मैंने!
तुम... तुम! तुमको तो मैंने मार डाला था!
इस हथियार से महामानव नहीं मरता! लेकिन तुम्हें हिंसा बहुत प्रिय है!
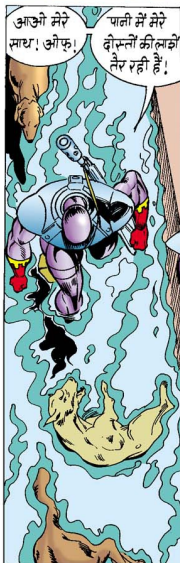
इसीलिए हिंसा ही तुझे मारेगी!... देख, अपने 'हथियारों के गोदाम' पर डाका डालने वाले को!
ये तेरे ही एक हिंसक दोस्त का विकसित रूप है! तेरे ही हिंसक हथियारों से लैस!... और ये तेरी मौत है!
अब तू मरेगा डोगा! और तेरी कोशिका से महामानव बनाएगा दूसरा विकसित डोगा! अपना गुलाम! अब मैं चला परमाणु से अपना कर्ज वसूलने, उसकी जान!

खतरनाक प्राणी बनाया है महामानव ने! और मेरे पास इससे निपटने लायक हथियार नहीं है!
आऽऽऽह!
मैं अपने हथियारों की विनाशकारी क्षमता को जानता हूं! इनसे इधर-उधर उछलकर बचा नहीं जा सकता!
आह!
महामानव को तो सिर्फ एक कोशिका चाहिए! लेकिन ये तो मुझे पूरा चबा जाने के मूड में है! ये वास्तव में एक कुत्ता है!
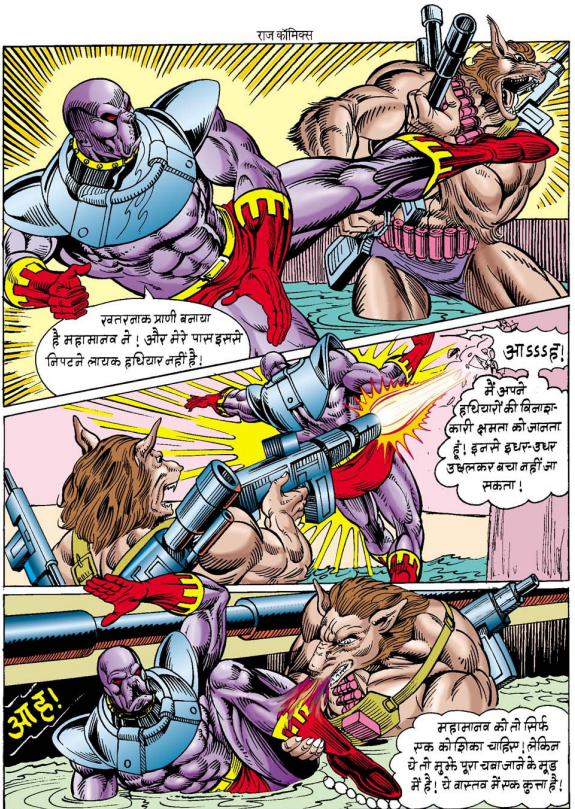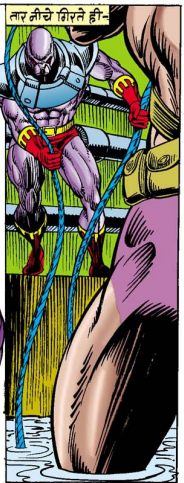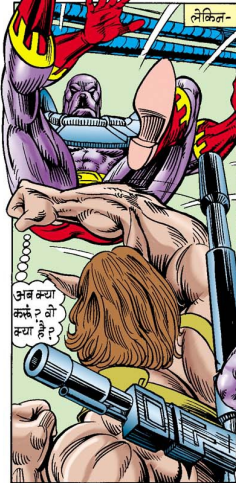
इसलिए इसकी नाक भी कुत्ते जितनी ही नाजुक होनी चाहिए!
अब मैं इसको संभलने का मौका ही नहीं दूंगा!
जानवर को खत्म करने के लिए जानवर बनना ही पड़ता है-
लेकिन-
अब क्या करूं? वो क्या है?
हाई वोल्टेज बिजली के तार!
तार नीचे गिरते ही-

आँsssह!
अब मुझे जल्दी से जल्दी परमाणु तक पहुंचना होगा! महामानव के खिलाफ उसकी मदद की जरूरत पड़ेगी!
लेकिन-
कुकिंग गैस सप्लाई करने वाले पाइप भी यहीं से जा रहे हैं! और वे मुझसे टकराकर टूट गए हैं! गैस इस बन्द जगह में भर रही है!
आऽऽऽह! हवा में ये महक कैसी है? ओऽऽऽह!
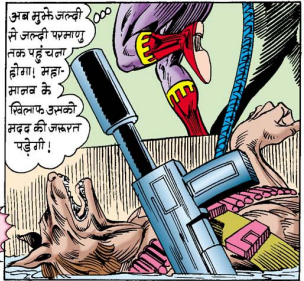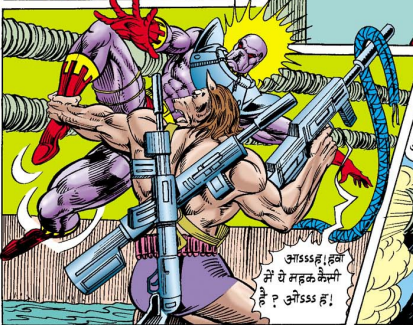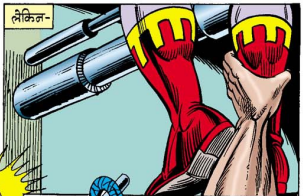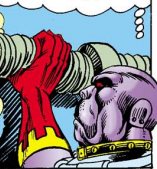
अब एक मामूली चिंगारी भी इस गटर को भट्ठी बना देगी! और... और यह मुझ पर गोली चलाने जा रहा है!
नहीं! ... लेकिन ज्वलनशील गैस तो इस गटर में भरती जा रही है! इससे लडूं या गैस को रोकूं!
या दोनों काम एक साथ ही करलूं!
ले पी!
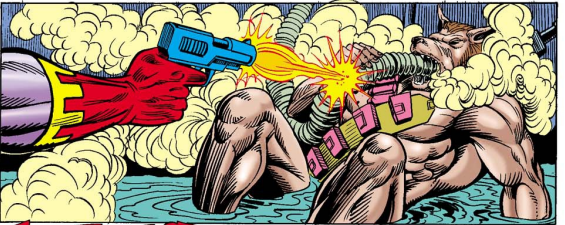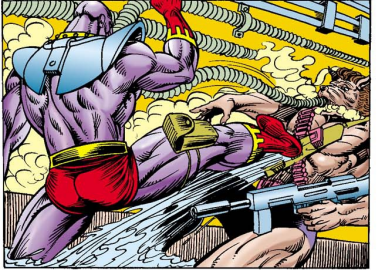
फटाक्क
महामानव अब सीधा हम पर हमला नहीं कर रहा है! अपने प्यादों से हमला करवा रहा है! ताकि वह बिना कोई खतरा उठाए हमको खत्म कर सके!
खत्म हो गया कुत्ता!
न जाने परमाणु पर वह किस खतरनाक प्राणी से हमला करवाएगा!

सबसे मजेदार काम तो अब शुरू होगा! क्योंकि मैंने परमाणु के दिमाग में पढ़ा था कि वह और शक्ति एक ही नगर के वासी हैं! दोनों से उनकी जानें एक साथ खींच लूंगा!
ये क्या है? आहा! ये मेरे काम की जगह लगती है! परमाणु की जान निकालने वाला मोहरा यहीं से मिलेगा!
जा मेरे मानसिक रूप! अन्दर जाकर एक मोहरे को ढूंढ़!
डिफेंस रिसर्च लेबोरेट्री
अन्दर-
ये देखिए, मेरी डिजाइन डॉक्टर घोष! इस सूट को कोई भी इन्सान पहन सकेगा, और इसके जरिए 'न्यूक्लियर-वार' भी कर सकेगा! इसको बनाने का मैटीरियल भी ऐसा होगा, जिस पर 'न्यूक्लियर ब्लास्ट' तक बेअसर साबित हो!
अभी तो यह डिजाइन सिर्फ कागज पर ही है! लेकिन आप जल्दी ही इस कल्पना को साकार होते देखेंगे!
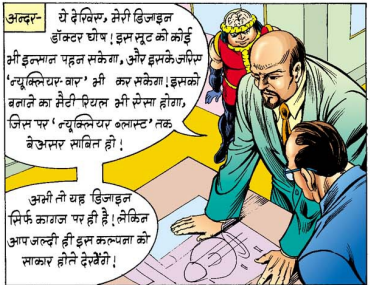
अगर पच्चीस-पचास सालों के समय को आप 'जल्दी' कहते हैं, तो आपकी यह इच्छा जरूर 'जल्दी' ही पूरी हो जाएगी, डॉक्टर नागर!
हा हा हा! आप कहते तो सही हैं, डॉक्टर घोष! लेकिन चलो; मेरे 'रेडिस्टॉर' सूट बनने की शुरुआत तो हो गई है न! अन्त चाहे पचास साल बाद हो!
नहीं, मानवों! इस अविष्कार का अन्त होगा, और पचास मिनटों में होगा!
मैं तुम्हारे दिमाग को इतना विकसित कर दूंगा, डॉक्टर नागर, कि इंसान जो अगले पचास सालों में सोचने के लायक बनेगा, वह तुम पचास मिनट में सोच लोगे, और कर भी लोगे!
और अगले ही पल-
अरे, अरे! यह आपको अचानक क्या हो गया, डॉक्टर नागर? क्या इकट्ठा कर रहे हैं?
चुप रहो! सोचने दो मुझे! परेशान मत करो!

कहानी 83 पेज से जारी
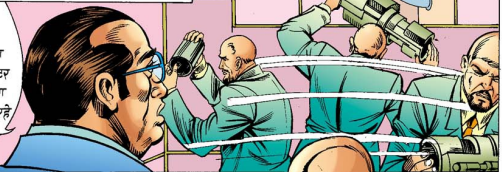
हा हा हा! बना, बना रेडिस्टॉर सूट डॉक्टर नागर! इसके बाद मैं तुझे बताऊंगा कि इसका क्या करना है!
ये तो वैसा ही सूट है, जैसा आपका डिजाइन था! ये... ये जरूर... जरूर...
...उसी सूट का मॉडल होगा! है... है न?
नहीं, डॉक्टर घोष! ये मॉडल नहीं, असली सूट है!
कुछ ही पलों बाद तुम इसकी ताकत खुद ही देख लोगे!
जब रेडिस्टॉर इस दुनिया को तबाह करेगा!
सभी लोग बिल्डिंग से बाहर भागो!
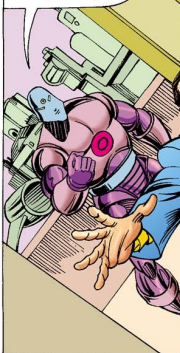
दिल्ली में किसी भी खतरे की गूंज सबसे पहले प्रोबॉट के कानों तक ही पहुंचती है-
परमाणु! सुन रहे हो, परमाणु?
यस, प्रोबॉट! बताओ, क्या खबर है?
डिफेंस रिसर्च लेबोरेट्री में एक मिनी एटॉमिक ब्लास्ट हुआ है! किसी के मरने की खबर नहीं है!...
... लेकिन ब्लास्ट करने वाला रेडिस्टॉर, कुतुब मीनार की तरफ बढ़ रहा है! ... शायद कुतुब मीनार को नष्ट करना ही उसका मकसद है!
और ऐसे अपराधियों को धूल में मिलाना ही परमाणु का एकमात्र मकसद है!
वह रहा! इस सुनसान में जिरह बख्तर पहनकर कुतुबमीनार के रास्ते पर बढ़ने वाला शख्स रेडिस्टॉर ही हो सकता है!
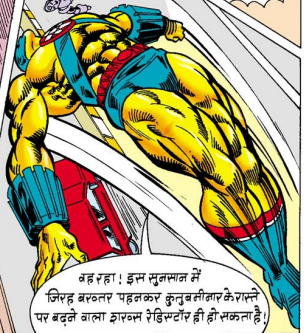
हां, परमाणु! ये रेडिस्टॉर ही है! तेरी मौत! लोग अपना कर्ज वसूलने के लिए गुंडों को भेजते हैं, मैंने तेरी जान वसूलने के लिए रेडिस्टॉर को भेजा है!
मुझे पता था कि तू मुसीबत का पता चलते ही मुसीबत में कूदने के लिए खुद ही आ जाएगा।
महामानव! तुम... तुम मरे नहीं? ज्वालामुखी से कैसे बच निकले तुम?
मेरे भूतकाल को छोड़कर अपने भविष्यकाल को देख!... जो अब कुछ ही पलों में समाप्त हो जाएगा।
आऽऽऽह! यह उड़ता भी है!
उड़ता भी है, और मेरे हुक्म से तुम जैसों को उड़ाता भी है! रेडिस्टॉर, रेडिएशन बॉल का वार करो इस पर!
आऽऽऽह! रेडिएशन बॉल मुझसे दूर से निकली, लेकिन फिर भी मुझे झुलसा गई!
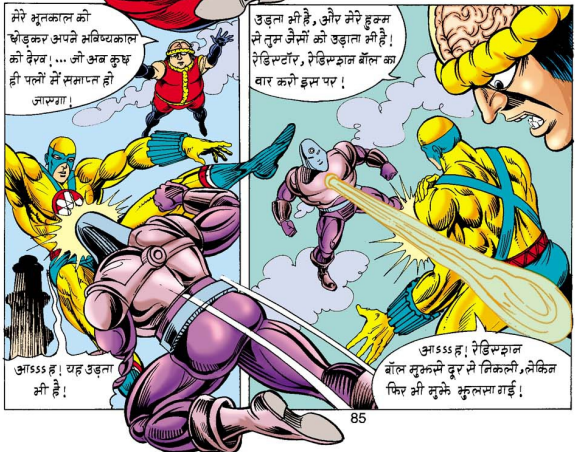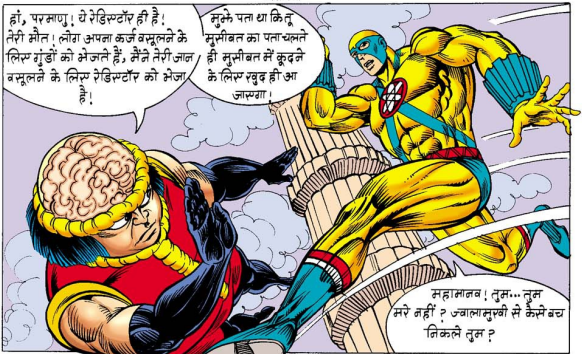
ये काफी खतरनाक लगता है। इसको जल्दी से जल्दी काबू में करना होगा।
तेरे वारों का 'रेडिस्टॉर' पर कोई असर नहीं होने वाला परमाणु!
इसका कवच बहुत उच्च घनत्व वाले पदार्थ का बना है! हीरे से भी कड़ा है इसका कवच!
तेरा कोई भी वार इसको हानि नहीं पहुंचा सकता!...
...लेकिन इसकी 'रेडिएशन बॉल' तुझे खाक कर सकती है!
ओह! तू ट्रांसमिट होकर बच रहा है!
रेडिस्टॉर!
अगला वार कुतुबमीनार पर करो!
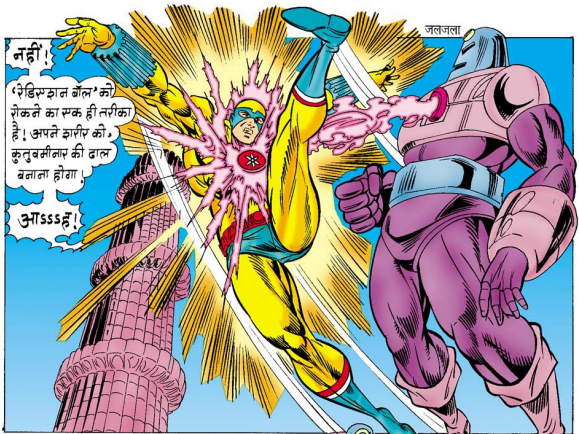
नहीं!
'रेडिएशन बॉल' को रोकने का एक ही तरीका है। अपने शरीर को, कुतुबमीनार की ढाल बनाना होगा!
आऽऽऽह!
कमाल है! तेरी पोशाक ने तुझे खाक होने से बचा लिया, परमाणु!
रेडिस्टॉर, इस बार रेडिएशन की तीव्रता बढ़ा कर वार करो!
नहीं! अब ये कोई वार नहीं करेगा, क्योंकि अब पहले मैं इसका कवच तोड़ूंगा, और फिर इसका जबड़ा!
मत भूल परमाणु, कि कवच का घनत्त्व तेरे शरीर के घनत्त्व से ज्यादा है! सीधी भाषा में कवच तेरे शरीर से अधिक ठोस है!

मैं अपने आकार को छोटा कर सकता हूं, महामानव! और जैसे-जैसे मेरा आकार छोटा होता है, मेरा घनत्त्व बढ़ता जाता है!
माइक्रो साइज में आने पर मेरा घनत्त्व भी इतना बढ़ जाएगा...
... कि मैं गोली की तरह इसके कवच को तोड़ सकूं!
कड़ाााक
छपाक
रेडिस्टॉर तो बेहोश हो गया, महा-मानव! अब तेरी बारी है!

न न न न, परमाणु! छोटे होकर 'परमाणु' नाम तुम पर ज्यादा जंच रहा है! अब तुम ऐसे ही रहो! छोटे से!
और मिलो, छोटी दुनिया के छोटे प्राणियों से! जिनको तुम अब तक अपने पैरों के नीचे कुचलते आए हो, अब वे तुमको मसलेंगे!
ओह! मेरे सारे कंट्रोल जाम हो गए हैं! मैं सामान्य आकार में नहीं आ पा रहा हूं! कोई शक्ति नहीं है मेरे पास! और ये खतरनाक कीड़ा मुझे निगलने के लिए बढ़ा चला आ रहा है!
अब कैसे बचूं?

इन कीड़े- मकोड़ों के पास आश्चर्यजनक शक्तियां होती हैं! और अपने शिकार को खाने के लिए ये कुछ भी कर सकते हैं!... परमाणु अब नहीं बचेगा! अब मुझे अपना वक्त बाकी बचे सुपर हीरोज को मारने के लिए...
... आऽऽऽह! ये क्या है?
ये शक्ति की 'लक्ष्मणरेखा' है! जिसको पार करने की कोशिश में हर अपराधी जलकर भस्म हो जाता है!
मेरा मानसिक कवच मुझे तेरी 'लक्ष्मण रेखा' पार करा देगा, और फिर मैं तुझे तड़पा-तड़पाकर मारूंगा!...
शक्ति! हां हां! मैं सोच ही रहा था कि तुझे कैसे ढूंढूं!
अच्छा हुआ तू खुद मरने के लिए मेरे सामने आ गई!
... अपनी मानसिक ऊर्जा को ध्वनि ऊर्जा में बदलकर!
आईऽऽऽ

आऽऽऽह! मेरे कानों से कई तरह की तेज आवाजें एक साथ टकराकर मेरा दिमाग खराब कर रही है! मैं कुछ भी सोच-समझ नहीं पा रही हूं!
बचाओ
पीईं
टी आई
पीईईई
च
धड़ाक
तुझे सोचने की जरूरत भी नहीं, शक्ति!
तुझे तो सिर्फ मरना है!
आ ईईईं
एक दर्दनाक मौत!
शक्ति के साथ-साथ-

परमाणु भी एक निश्चित मौत से जूझ रहा था-
आऽऽऽह! यह तो अच्छा है कि मेरा घनत्त्व इतना ज्यादा हो गया है कि न तो यह टिड्डा मुझे काट पा रहा है, और न ही अपना डंक मेरे शरीर में घुसा पा रहा है!
लेकिन मैं इसके पैर के वार से बच भी नहीं पा रहा हूं!
मेरे अन्दर अब परमाणु-शक्ति तो नहीं है, लेकिन मेरी सामान्य शक्ति भी इस कीड़े को हराने के लिए पर्याप्त होनी चाहिए!
खतरे को महसूस करते ही-
टिड्डे ने अपनी अद्‌भुत शक्तियों का प्रयोग करना शुरू कर दिया-
आऽऽऽह! यह अपनी ग्रंथियों से जहरीली गैस छोड़ रहा है, जो मेरे होशो-हवास को छीन रही है!...
... और अब ये मुझ पर लार छोड़ रहा है!
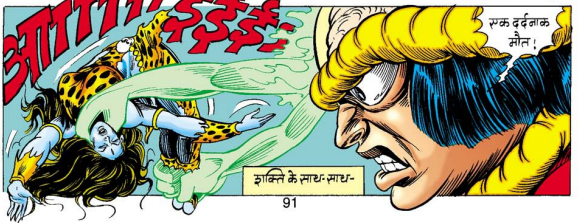
ओह! कीड़े अपने शिकार को अपनी लार द्वारा गलाकर, चाट जाते हैं! यह भी जरूर कुछ ऐसा ही करना चाहता है! और इसकी लार मेरी अद्भुत पोशाक को थोड़ा-थोड़ा गला भी रही है!
अब दूसरे कीड़े भी मुझे अपना शिकार समझकर मेरे पीछे आ रहे हैं! इससे पहले कि ये सचमुच मुझे गला डालें, मुझे अपनी शक्तियां और आकार वापस प्राप्त करने का कोई न कोई तरीका सोचना होगा!
शक्ति भी किसी तरीके की तलाश में ही थी-
आऽऽऽह!
यह तो चंदा के शरीर की रीढ़ की हड्डी तोड़ डालेगा! मुझे इसका मुकाबला करना ही होगा! और यही मौका है...
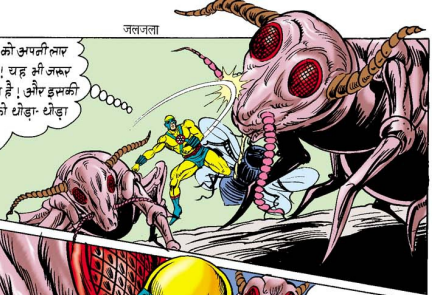
क्योंकि महामानव इस वक्त वार कर रहा है! और जिस वक्त महामानव वार करता है, वह अपने सुरक्षा कवच में नहीं रहता! इस वक्त मैं उस पर वार कर सकती हूं!
आSSSह!
यह वार तो मैं झेल जाता! लेकिन पिघले लोहे की गर्मी मुझे विचलित कर रही है!
आSSSSह!
पिघला लोहा मुझे ढक रहा है!
मैं कमजोर हो रहा हूं! मुझे शक्ति की शक्तियां जाननी होंगी! पढ़ना होगा इसका दिमाग!
अब मैं मानसिक कवच पहन पाने से पहले ही तुझे एक लौह कवच में कैद कर दूंगी, महामानव!

हां! मिल गई इसकी एक कमजोरी! मैं अभी भी इससे जीत सकता हूं!
महामानव के दिमाग से निकले वे वार-
अलग-अलग स्थानों पर भयंकर तबाही मचा गए-
बचाओ!
मेडे मेडे
बचाओ!
ओऽऽऽह! यह क्या किया महामानव ने? अब मुझे अपने शरीर से अन्य शक्तियों को निकालकर अलग-अलग स्थानों पर लोगों की जान बचाने के लिए भेजना होगा!
और मेरे शरीर से जितनी शक्तियां अलग होंगी, मेरी ताकत उतनी ही कम हो जाएगी!
यही तो मैं करना चाहता हूं, शक्ति!
ताकि तुझे मैं कमजोर करके मार सकूं!

अब अपनी मौत को देख, शक्ति!
आऽऽऽह! यह... यह क्या है? इसके वार से मेरा सारा शरीर ठंडा हो रहा है!
ये हवा में मौजूद 'सूखी बर्फ' यानी अति ठंडी ठोस कार्बनडाइआक्साइड का बना प्राणी है! ये तेरी ऊष्मा को तेरे शरीर से निकलने ही नहीं देगा!
और तेरे शरीर को हमेशा के लिए ठंडा कर देगा!
और तुम्हारे पास मानसिक ऊर्जा को तोड़ने लायक कोई शक्ति नहीं है!
अब मैं तो चला ध्रुव को मारने!
इसको तुम्हारी कोई शक्ति तोड़ नहीं पाएगी, क्योंकि इसके कण, मेरी मानसिक ऊर्जा के द्वारा जुड़े हुए हैं!
शरीर हिल नहीं पा रहा है! और ये कीड़ा, लार से मेरी बेल्ट को गला रहा है!
अगर ये गल गई तो मैं सामान्य रूप में कैसे आऊंगा?
शक्ति मुसीबत में है! मुझे उसकी मदद... ...आऽऽऽह! ये कीड़े तो विद्युत तरंगें भी छोड़ते हैं!
सबसे बड़ी बात तो ये कि मैं जिन्दा कैसे बचूंगा?
मेरी शक्तियों को जरूर फिर से चुंबकीय ऊर्जा ही नष्ट कर रही है! वह चुंबकीय ऊर्जा, जिसे महामानव ने अपनी मानसिक ऊर्जा से बनाया है! और एक चुंबकीय क्षेत्र को दूसरा चुंबकीय क्षेत्र ही निष्क्रिय कर सकता है! अब दूसरा चुंबकीय क्षेत्र कहां से... ओ! मिल गया!
रेडिस्टॉर का सूट! इसमें जरूर कई विद्युत चुंबकीय उपकरण लगे होंगे!
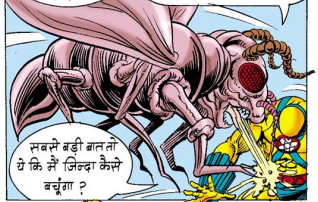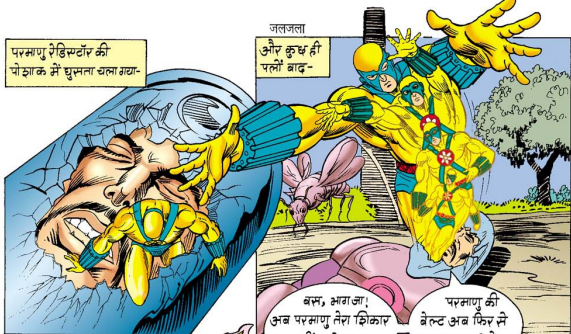
परमाणु रेडिस्टॉर की पोशाक में घुसता चला गया-
और कुछ ही पलों बाद-
बस, भाग जा! अब परमाणु तेरा शिकार नहीं बनेगा!
परमाणु की बेल्ट अब फिर से काम कर रही है!
अब परमाणु शिकारी बनेगा!
आssss ह! मेरी शक्ति कई गुना कम हो गई है! इसलिए मेरी ऊष्मा में भी इस प्राणी को गलाने लायक तीव्रता नहीं रह गई है!
आssssह!
ये तो फिर से जुड़ गया! और इसके टुकड़े मेरे शरीर से चिपक रहे हैं!...
... ये मुझे मेरे शरीर के अन्दर कैद कर रहा है!
इसको गलाने की नहीं, तोड़ने की जरूरत है शक्ति!
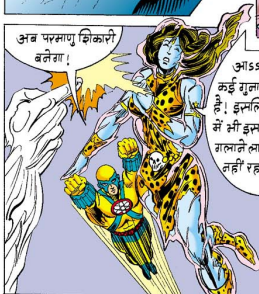
ओफ़! अब न तो मैं बेल्ट का बटन दबा सकता हूं, और न ही बोलकर बेल्ट को नियंत्रित कर सकता हूं!... दम घुटता जा रहा है!
मौत, परमाणु और शक्ति दोनों के ही करीब थी-
बर्ररर
लेकिन मदद भी दूर नहीं थी-
तड़ाक
धड़ाम
ओह, कौन?
नागराज, डोगा और... ?
भेड़िया! कोबी का दूसरा रूप!
ओह! लेकिन जिस प्राणी के कण टूटकर फिर से जुड़ जाते हैं! वह तुम दोनों के वारों से कैसे टूट गया?
हां! यह तो महामानव की मानसिक शक्ति द्वारा जुड़ा हुआ था!
इसीलिए यह टूट गया क्योंकि मेरे ध्वंसक सर्पों की मानसिक शक्ति ने इसके मानसिक जोड़ों को तोड़ दिया!
और मेरी गदा मानसिक हो या शारीरिक, दोनों शक्तियों को ही तोड़ सकती है!
लेकिन तुम तीनों यहां पर कैसे?
नागराज से पूरा घटनाक्रम सुनने के बाद-
ओह!... वह ध्रुव को मारने गया है! हम सबको मिलकर उसको वहीं पर रोकना होगा!
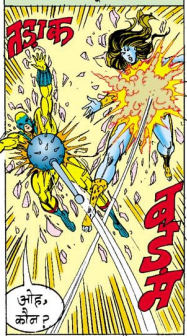
राजनगर में-
तुमने मुझे ढूंढ़ कैसे निकाला ध्रुव ? मैं पैरोल पर जरूर छूटा हुआ हूं।
लेकिन मैं कहां पर हूं, इसका पता तो किसी को भी नहीं था!
थोड़ी देर पहले तक महानगर की सारी चिड़ियां सिर्फ तुमको ही ढूंढ़ रही थीं...
D.V. LABS
...डॉक्टर वायरस! मेरे आदेश पर!
लेकिन मैंने किया क्या है, जो तुम मुझे ढूंढ़ रहे थे?
मुझे तुम्हारी मदद की जरूरत है, डॉक्टर वायरस! महामानव के बारे में तुम जानते ही होगे! वह इस वक्त मानव प्रजाति को खत्म कर देने पर उतारू है!
और इस वक्त वह राजनगर की तरफ ही आ रहा है! उसको पकड़ने में मेरी मदद करो, वायरस!
महामानव! उसके बारे में मैंने सुना तो है! तुमसे एक-दो बार टकरा चुका है! वह मानव जाति का विकसित रूप है, इससे ज्यादा मैं और कुछ नहीं जानता!
कोई जीव वैज्ञानिक ही महामानव की कमजोरी ढूंढ़ सकता है, और तुम दुनिया के नंबर वन जीव वैज्ञानिक हो, वायरस!
महामानव राजनगर तक आ चुका था-
ध्रुव इसी शहर में है! लेकिन मैं उसे नहीं ढूंढूंगा! वह मेरे पास आएगा!
मैं राजनगर में जलजला ला दूंगा! सारे शहरवासी अपने घरों से बाहर आ जाएंगे! ...
... और ध्रुव मुझे रोकने के लिए मेरे सामने आ जाएगा!

ये... ये क्या भूकंप का झटका था?
यह महामानव का झटका है वायरस! वह राजनगर आ गया है!...
...जल्दी कुछ करो!
मुझे कुछ सोचने और बनाने का मौका तो दो, ध्रुव!
ज्यादा वक्त नहीं है, वायरस! जो सोचना है जल्दी सोचो! मैं तब तक महामानव से निपटने की कोशिश करता हूं!
ध्रुव गया! पर्र्र्र्र फेक्ट!
अब तुम बाहर आ सकते हो, बाजील!
क्या किस्मत पाई है मैंने? मेरे दुश्मन मुझसे ही मदद मांग रहे हैं!
अब सफलता सामने है, बाजील! मैं पहले महामानव को मारने में ध्रुव की मदद करूंगा, फिर हम ध्रुव को खत्म कर देंगे! अगला नंबर इंस्पेक्टर स्टील का होगा!...
...और फिर दुनिया होगी मेरी जेब में...
बाहर स्थिति और खतरनाक हो गई थी-
ओफ्! महामानव ने अपनी शक्तियों से मूसलाधार बारिश शुरू कर दी है! सभी जगह पानी भर रहा है! भूकंप के डर से घर के बाहर खड़े लोग भीग रहे हैं!
महामानव! रोक दो यह विनाश! मेरी बात सुनो!

आऽऽऽह्हा! तो तू आ ही गया मेरे सामने मरने के लिए! पर अभी मैं तुझे मारूंगा नहीं! तेरी आंखों के सामने पहले मानवजाति का पूर्ण विनाश करूंगा, फिर तेरी कोशिका लेकर तुझे खत्म करूंगा!
आऽऽऽह!
आऽऽऽह!
ध्रुव!
डॉक्टर वायरस! महामानव का कोई तोड़ मिला या नहीं?
मिल गया ध्रुव! ये लो जीवाणु मिश्रण! मस्तिष्क में हो रही रासायनिक प्रतिक्रियाओं के कारण मानसिक शक्तियां पैदा होती हैं! ये जीवाणु उन प्रतिक्रियाओं को होने ही नहीं देंगे!
अगर तुम इसे महामानव के मुंह में डाल सको, या सांस द्वारा उसके शरीर में भेज सको तो उसकी मानसिक शक्तियां नष्ट हो जाएंगी!
महामानव का अब कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता! मेरी एक ही कमजोरी है! ऊष्मा! जो फिलहाल आग जलाकर ही पैदा की जा सकती है! और बरसते पानी में आग जल ही नहीं सकती!
चंडिका तुझे पीट-पीटकर गर्म कर देगी!
चंडिका ने मुझे सोचने के लिए कुछ पलों का समय दे दिया है!
आऽऽऽह! समझ गया!
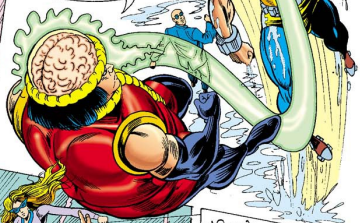
आऽऽऽह!
गुब्बारे! तू मुझे भेंट में गुब्बारे देकर खुश करना चाहता है?
ये हवा में उड़ने वाले गुब्बारे वो गुब्बारे हैं...
...जिनके अंदर हाइड्रोजन गैस भरी हुई है!
वो गैस, जो बरसते पानी में भी जल सकती है!
ध्रुव ने सिग्नल फ्लेयर छोड़ा-
आऽऽऽह!
महामानव कुछ पलों के लिए असंतुलित हुआ-
और ध्रुव को उसके मुंह में 'जीवाणु-मिश्रण' डालने का मौका मिल गया-
लेकिन-
आऽऽऽह! इस पर तो कोई असर नहीं हुआ! और शीशी भी मेरे हाथों से छूट गई है!
सिर्फ आधा मिश्रण इसके मुंह में जा पाया था।
बहुत खेल हो गया, ध्रुव! अब मैं तुझे दिखाता हूं अपनी असली योजना! देख!
ओफ्! बचाव का रास्ता तैयार कर लेना चाहिए!

उस अद्भुत प्रकाश ऊर्जा से, ध्रुव और चंडिका के होश गुम होने लगे।
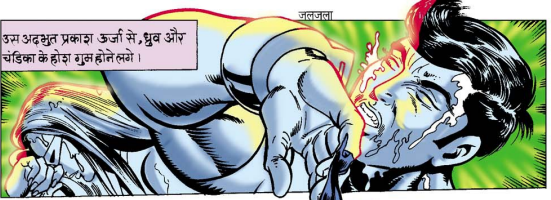
और जब उनके होश वापस लौटे तो—

देख, ध्रुव! पृथ्वी के हिलने का वक्त आ गया है! आने वाला है जलजला! ये मूसलाधार बारिश पूरी पृथ्वी पर हो रही है! इससे समुद्र का जल स्तर बढ़ेगा, और उसमें तैरने वाले महाद्वीपों के भूखंड और आसानी से तैर सकेंगे!

☆ इस संबंध में विस्तार से जानने के लिए पढ़ें: **महामानव**

☆ इस संबंध में विस्तार से जानने के लिए पढ़ें: **महामानव**

आऽऽऽह!
आऽऽऽह! वार तो...तूने जोरदार किया है ध्रुव! लेकिन... आऽऽ ह! ...मैं जल्दी ही अपने आपको संभाल लूंगा!
गर्मी तुम्हारी कमजोरी है! मैं अभी आग जलाकर गर्मी बढ़ाऊंगा, और फिर तुमको बेहोश कर दूंगा!
उसका मौका तुमको नहीं मिलेगा! तुम्हारा दिमागी संपर्क टूटते ही बारिश भी खत्म हो रही है!
क्योंकि अब गिरती बिजली कांटेदार तार के रास्ते तुम्हारे ऊपर गिरेगी!
नहीं! मेरे होश संभालने तक तुझे रोकेगी तेरी ही साथी चंडिका!
चंडिका! क्या हो गया है चंडिका को?
ये... ये क्या कर रही है?
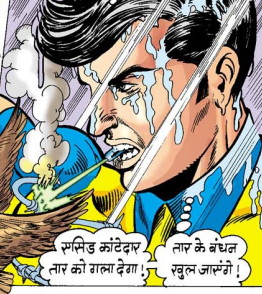
चंडिका के दिमाग में मैंने अपनी मानसिक ऊर्जा भर दी है। ऊर्जा ने इसके दिमाग को इतना तेज बना दिया है कि अब ये मामूली चीजों को जोड़कर और उसमें अपनी मानसिक ऊर्जा दौड़ाकर बना सकती है ...
... एक घातक और कातिल रोबॉट !
आऽऽऽह
यह सिर्फ हड्डियां ही नहीं तोड़ता बल्कि मानसिक ऊर्जा का झटका भी देता है।

लेकिन इसको हराना तो आसान है! रोबॉट को चंडिका से ऊर्जा मिल रही है! चंडिका के हाथों से तार छूटते ही यह रोबॉट भी बेबस हो जाएगा!
लेकिन-
ओह!
तार छुड़ाने का कोई फायदा नहीं हुआ! अब चंडिका इसको दूर से ही मानसिक ऊर्जा दे रही है!
अब क्या करूं?
चंडिका को बेहोश करना ही एकमात्र उपाय बच गया है! नर्व गैस का कैप्सूल... आऽऽऽह! रोबॉट ने तो मेरी बेल्ट ही छीन ली!
चंडिका को मेरी अगली चाल का आभास हो गया था!
आह! अकू!
डाल टूट गई!
किसने किया ये वार?
स्टील! एकदम सही वक्त पर आए! फिल्मी पुलिस की तरह!

तुम आराम करो, ध्रुव! अब मैं इससे निपट लूंगा!
आssss ह!
अरे! यह क्या? चोट पेड़ को लगी, और चंडिका चीख उठी! शायद इसलिए, क्योंकि चंडिका इससे मानसिक तरंगों द्वारा जुड़ी हुई थी!
लेकिन इस वार से वह संपर्क टूट गया है! अब यह पेड़ भी निष्क्रिय हो जाएंगे!
लेकिन-
ओह! यह निष्क्रिय नहीं हुआ!
यानी इसने अपने अंदर मानसिक ऊर्जा को इकट्ठा कर लिया है!
अगला निशाना स्टील था-
य... यह क्या? दो कांटेदार तार मेरी तरफ लपक रहे हैं!
तार, स्टील का कड़ा कवच छेदते चले गए-
और-
ओह! ये... ये तार अंदर घुसते ही जा रहे हैं!
मेरे सर्किटों में शॉर्ट सर्किट हो रहा है!

हा हा हा! खत्म हो गया, स्टील! ये तो वैसे भी टीन का डिब्बा था! ... अब मैं ... आऽऽऽ ह! चक्कर सा क्यों आ रहा है?
दिमाग... दिमाग अंधेरे में क्यों डूबता जा रहा है? शायद ये... उस... दवा का असर है!...जो ध्रुव ने मेरे मुंह में डाली थी!
महामानव तो बेहोश हो गया! लेकिन अब शायद मैं भी नहीं बचूंगा!
वैसे एक आखिरी तरीका आजमाया जा सकता है! ...
... ये कांटेदार तारें! इसको चंडिका इन्हीं के द्वारा उर्जा दे रही थी! और इसके शरीर पर लिपटकर ये जरूर इसके लकड़ी के संवेदनहीन अंगों तक मानसिक आदेश भेज रहे हैं!
यानी अगर ये तार खुल जाएं तो इसके अंग भी बेकार हो जाएंगे!
ध्रुव की किक खाकर-
रोबॉट ढलान पर लुढ़कता चला गया-
और उसके 'शरीर' पर लिपटा तार खुलता चला गया-
और फिर अचानक-
अरे! यह क्या? रोबॉट का 'शरीर' आग में घिर गया? किसने किया है ऐसा खतरनाक वार?

शक्ति!
शक्ति ही नहीं, हम सब आए हैं तुम्हारी मदद के लिए!
लेकिन तुमको तो मदद की जरूरत ही नहीं पड़ी! तुमने तो महामानव को खुद ही काबू में कर लिया है!
लेकिन वह बाजील कहां पर है? असली खतरा तो वह ही है!
बाजील जल्दी ही सामने आने वाला था-
महामानव तो काबू में आ गया! लेकिन सुपर हीरोज बच गए! अब उनको मारने के साथ-साथ ही शुरू होगा मानवजाति पर पक्षी जाति का विजय अभियान! शुरुआत होगी तुमसे!
तू फिर मूर्खता पर उतर आया! तेरा खाना...

उसको बनाने का तरीका मैंने जान लिया है! तेरा दिमाग पढ़कर! पता नहीं ये तरीका मुझको पहले क्यों नहीं सूझा! तू मेरे दम पर मानवों का राजा बनना चाहता था! तूने मानव और बाज के जींस मिलाकर बाजील को प्रयोगशाला में पैदा जरूर किया है, लेकिन तू बाजील का बाप नहीं, बल्कि बाजील तेरा बाप है! ... तू मानवों पर राज नहीं करेगा, बल्कि पक्षी, मानव पर राज करेंगे! अफसोस कि तू वह दिन देख नहीं पाएगा!
इसी वक्त-
बाजील? ये बाजील कौन है?
हम तो महामानव से लड़ रहे थे!
बाजील इस सारे षड्यंत्र से जुड़ा हुआ है ध्रुव! महामानव को बेबस करना भी जरूर उसी के षड्यंत्र का एक हिस्सा है!
सही समझे! षड्यंत्र है पृथ्वी पर मानव जाति का राज्य खत्म करके पक्षी जाति के राज्य को स्थापित करना! सम्राट बाजील के द्वारा!
ओफ़!
बेशुमार चिड़िया!
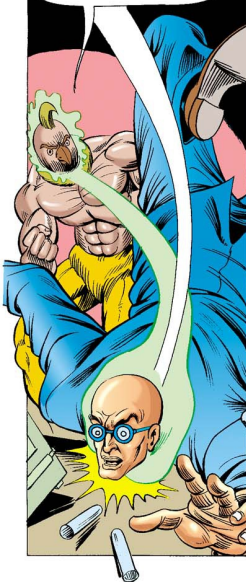
चूं चूं ची ची चिंssss चीच! ओफ्! ये तो मेरा भी कहना नहीं मान रही हैं!
ये अब सिर्फ बाजील का आदेश मानेंगी! ये पूरी दुनिया में तबाही मचाना पहले ही शुरू कर चुकी हैं!
लेकिन यहां पर कोई चिड़िया तबाही नहीं मचाएगी!
तबाही मचाएगी नागराज की विष फुंकार! सब अपनी-अपनी सांसें रोक लो!
चिड़ियों को बेहोश होने में एक पल भी नहीं लगा-
शुक्रिया नागराज! मैं अपनी 'अग्नि शक्ति' का प्रयोग करके इन चिड़ियों को मारना नहीं चाहती थी!
लेकिन इतनी दया मैं इस बाजील पर नहीं दिखाऊंगी!
दया की जरूरत तुझे पड़ेगी शक्ति! जरूर पड़ेगी! जब तेरी ही आग तुझे जलाएगी!
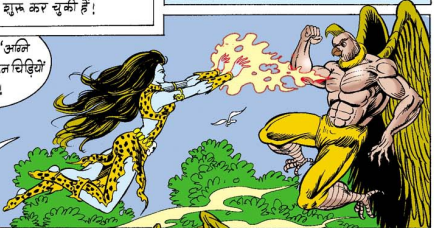
आऽऽऽह! इसके मानसिक कवच ने मेरे शरीर को चारों तरफ से लपेट लिया है, और मेरी लपटें इसी के अन्दर कैद होकर रह गई हैं! मेरी लपटें मेरे ही शरीर को झुलसा रही हैं!
मैं इस कवच के टुकड़े-टुकड़े कर दूंगा शक्ति! तुमको आजाद...
...आऽऽऽह!
कड़ंक
तू मेरा मानसिक कवच अपनी परमाणु शक्ति से नहीं तोड़ सकता, परमाणु!
लेकिन मैं तुमको तो तोड़ सकता हूं न बाजील!
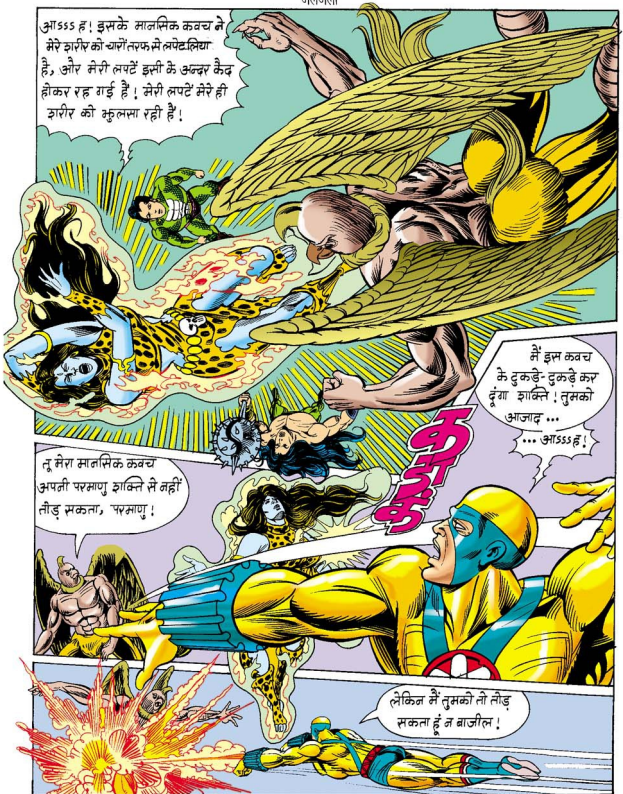
खतरनाक वार है तुम्हारा! लेकिन मेरी शक्तियां मेरे घाव को जल्दी ही भर देंगी! और मेरा मानसिक कवच तुम्हारे हर वार को रोक लेगा!...
आऽऽऽह! इसके वार से बचने के लिए परमाणु कणों में अपने-आप को बदलना तो और घातक हो गया!
... पर मेरा मानसिक कवच मुझे वार करने से नहीं रोकेगा!
इसकी मानसिक शक्ति मेरे कणों को जुड़ने नहीं दे रही है! मैं सामान्य रूप में नहीं आ पा रहा हूं!
हमारे कोई भी वार इस तक पहुंच नहीं पा रहे हैं! अब क्या करें?
भेड़िया को देखो! भेड़िया की गदा को देखो! और गदा को मानसिक कवच के चिथड़े उड़ाते हुए देखो!
पहले शक्ति पर चढ़ा आवरण टूटेगा!

और फिर बाजील का कवच टूटेगा! भेड़िया की गदा दुनिया पर कहर बरपा करने वालों की हड्डियां तोड़ देगी!
बड़ाऽऽम
उसकी जरूरत नहीं पड़ेगी! मेरा 'ग्रेनेड-लांचर' बाजील को इस हालत में छोड़ेगा ही नहीं कि तुम उसकी हड्डियां तोड़ सको!
डीगा समस्या को जड़ से मिटा देगा!
ये ग्रेनेड को भी झेल गया! पर मेरी फुंकार इसको दुबारा आंखें खोलने लायक नहीं छोड़ेंगी!
आऽऽऽऽह!
तुम लोग इसको अकेले-अकेले ही मार लोगे क्या?
कुछ हमको भी तो योगदान करने दो!
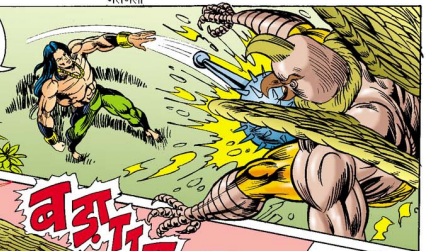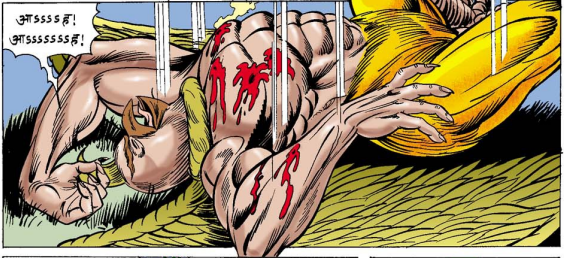
आऽऽऽऽह!
आऽऽऽऽऽऽऽऽह!
ये बुरी तरह से घायल है! लेकिन फिर भी मर नहीं रहा है! इसका कारण क्या हो सकता है?
इसका कारण इसकी अनोखी बनावट है, ध्रुव! उन कोशिकाओं की बनावट जो इन्सान और पक्षी, दोनों के ही जींस को मिलाकर बनी है!
डॉक्टर वायरस!
बाजील के बारे में तुम इतना कुछ कैसे जानते हो, डॉक्टर वायरस?
क्योंकि इसको मैंने ही बनाया है! मैं इसकी शक्ति से दुनिया पर राज करना चाहता था!
इसमें अद्भुत मानसिक शक्तियां थीं! और इसको नष्ट करने की क्षमता या तो महामानव रखता था, या फिर तुम सुपर हीरोज!
इसीलिए मैंने गंगाधरन को अपने काबू में करके 'पृथ्वी के रक्षक' की स्थापना कराई, और महामानव और तुम हीरोज का टकराव करा दिया! इस टकराव से या तो महामानव नष्ट होता या फिर सुपर हीरोज! मेरे एक दुश्मन को तो नष्ट होना ही होना था! और महामानव नष्ट हो गया!
कम से कम उस वक्त तो ऐसा ही लगा था!
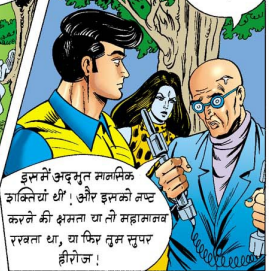
महामानव के मरने के बाद मैं और बाजील, कोबी को मारने आसाम पहुंच गए! क्योंकि महामानव के अलावा कोबी ही एकमात्र ऐसा प्राणी था, जो अपनी प्रजाति का एक विकसित नमूना था! और बाजील को खतरा सिर्फ विकसित प्राणियों से ही था! कोबी बचा या नहीं, यह तो मैं नहीं जानता...
कोबी बच गया है! फूजो बाबा की चमत्कारी जड़ी-बूटियों ने उसे बचा लिया!
चलो, अच्छा ही हुआ! उसके बाद हमारा प्लान था, सुपर हीरोज को एक-एक करके मारना!
लेकिन तभी हमको महामानव के बचने की सूचना मिल गई, और फिर हमारा काम महामानव ने शुरू कर दिया!
लेकिन बाजील मेरे वश से बाहर निकल गया! यह पक्षीराज फैलाना चाहता था! लेकिन 'पृथ्वी के रक्षकों' ने इसी को जमीन पर फैला दिया!
इसको खत्म करने का एकमात्र तरीका ये इलेक्ट्रोड है! इनकी ऊर्जा बाजील के शरीर में दौड़ते ही...
...इसमें पक्षी और मानव के जींस अलग हो जाएंगे, और इसकी कोशिकाएं टूटकर धूल बन जाएंगी!
आऽऽऽह!
म... मैं खत्म हो रहा हूं! काश, मेरे पास जरा सी और मानसिक शक्ति होती, तो मैं अपने घाव भी भर लेता, और अपने चकराते दिमाग को भी संभाल सकता!
वह... आहा! वह तो महामानव है!
मैं उसकी मानसिक ऊर्जा चुरा सकता हूं! क्योंकि इस वक्त वह बेहोश है!
खींच मानसिक ऊर्जा, बाजील! खींच!
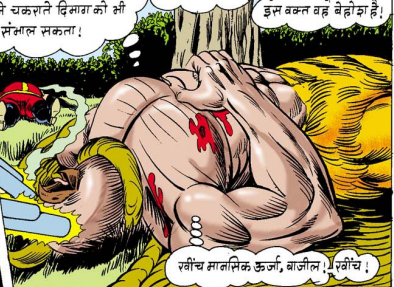
और-
अरे! यह... यह क्या हो रहा है! बाजील की कोशिकाओं का टूटना रुक कैसे गया?
क्योंकि बाजील के पास 'मानसिक शक्ति' वापस आ गई है! महामानव से खींचली है मैंने उसकी मानसिक शक्ति!
बाजील ने अपने-आपको संभाल लिया है! और अब वह मानवों को संभलने नहीं देगा!
इसका मानसिक रूप अब मेरी तरफ लपक रहा है! मेरे यंत्रों के साथ छेड़-खानी कर रहा है! शायद इसने मेरा दिमाग पढ़कर मेरे यंत्रों की कार्यप्रणाली को अच्छी तरह से समझ लिया है!... लेकिन... लेकिन अब ये करेगा क्या?
आऽऽऽह! अब तो इसको खत्म करना असंभव है! एकदम असंभव!
आऽऽऽह! ये इसने क्या किया? ये मेरी नई पोशाक ऐसे खास ऐस्बेस्टस तारों से बनी हुई है, जो मेरे शरीर के आकार के साथ ढीले हो सकते हैं, और कस सकते हैं! मेरी पोशाक में इसका कंट्रोल लगा है!
इसने वह कंट्रोल चालू करके बाकी बटनों को जाम कर दिया है! अब मैं तो छोटा नहीं हो सकता, लेकिन मेरी पोशाक छोटी होती जा रही है! मेरे शरीर को कस रही है! और मेरी हड्डियां कड़कड़ा रही हैं!
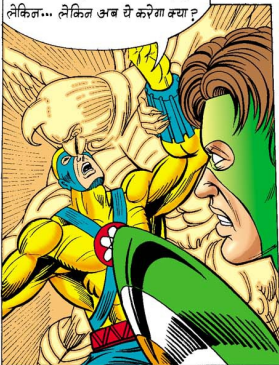
मेरी गदा इसके मानसिक रूप को फिर से इसके दिमाग में घुसा देगी!
नहीं, भेड़िया! इस बार नहीं! इस बार मैं तेरे हाथ के कड़ों को उतार लूंगा! और बगैर कड़ों की शक्ति के...
... तू अपनी गदा को उठा ही नहीं पाएगा! ये मैं तेरे दिमाग में पढ़ चुका हूं! अब ये गदा जब वापस तेरे पास आएगी, तो तेरा हथियार बनकर नहीं, बल्कि तेरी मौत बनकर आएगी!
आऽऽऽह!
इस बार बाजील के कहर का सुपर हीरोज के पास कोई जवाब नहीं था-
आह!
तू अत्यन्त दुष्ट प्राणी है! मुझे तीसरी आंख खोलनी ही पड़ेगी!
तू ज्यादा देर तक ये ताप सह नहीं पाएगा...
अरे! अरे! तू ये 'मानसिक पाइप' कहां भेज रहा है?
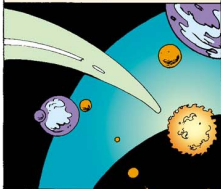
मन की गति से बढ़ता मानसिक पाइप-

सूर्य में घुसता चला गया-

और मानसिक पाइप के दूसरे सिरे का रुख शक्ति की तरफ मुड़ गया-

आऽऽऽ ह! सूर्य की लपटें सीधे मुझ तक पहुंच रही हैं!
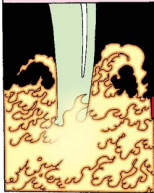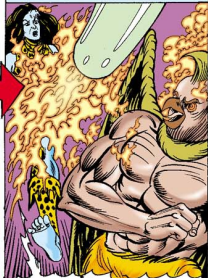
इस ताप को तो मैं भी सह नहीं सकती!

आऽऽऽ ह!

डोगा इसका काम तमाम करेगा! इस वक्त ये मानसिक कवच के बाहर है!

डोगा का बारूद इसका भेजा उड़ा देगा!

उससे पहले ये बारूद खुद उड़ जाएगा!

तू मुझे नहीं मार सकता! लेकिन खुद को तो मार सकता है न!

मानसिक खोल, डोगा की मुट्ठियों को ढकते चले गए-

ले मार!
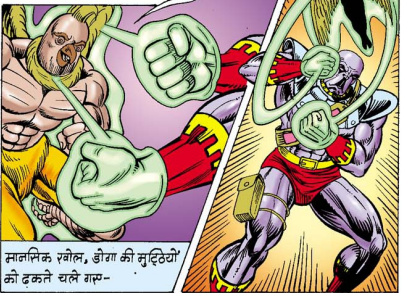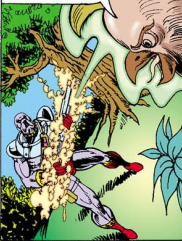
डोगा का शरीर अपने ही घूंसों की मार खाकर, नीला पड़ता चला गया -
धम
इसकी शक्ति तो असीमित हो गई है! अब हम क्या करें?
मेरे और सर्पों के मानसिक वार भी इसके कवच को तोड़ नहीं पा रहे हैं! क्योंकि अब इसके पास महामानव की भी शक्ति है!
नागराज! चंडिका के पास महामानव की मानसिक ऊर्जा है! तुम सूक्ष्म सर्पों द्वारा, चंडिका के मस्तिष्क से संपर्क साधो, और महामानव की उस मानसिक ऊर्जा द्वारा बाजील का कवच तोड़ो!
फिर उसके बाद हम क्या करेंगे, ध्रुव?
बगैर इसके कवच को तोड़े हम कुछ नहीं कर सकते, ध्रुव!
ओह! अब ये क्या कर रहा है?
जो कुछ भी हमारे पास है, उसका बाजील पर वार... अरे... यह क्या? बन गया काम! जल्दी वार करो, नागराज!
मेरे दिमाग के उस हिस्से को छेड़ रहा है, जो ध्वंसक सर्पों को आदेश देते हैं! ध्वंसक सर्प मेरे शरीर के अन्दर ही फट रहे हैं!
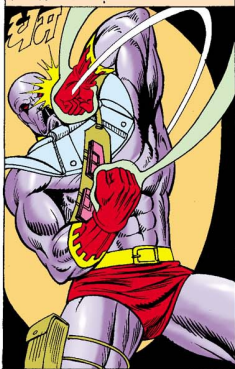
मानसिक शक्तियों के उस भीषण टकराव ने दोनों की ही शक्तियों को पलभर के लिए चूर-चूर कर दिया-
और उसी पल ध्रुव ने बाजील के मुंह में कुछ डाल दिया-
य... यह क्या है ?
यह वही आधा बचा 'जीवाणु-मिश्रण' है, जिसने महामानव को बेहोशी की दुनिया में पहुंचाया था !
तुमको भी ये उसी दुनिया की सैर पर ले जाएगा !
आऽऽऽह !
कुछ ही देर में बाजील का शरीर धीरे-धीरे विखंडित होकर हवा में घुल गया-
पृथ्वी के रक्षकों ने दुनिया पर आया एक खतरा सफलतापूर्वक टाल दिया है !
लेकिन इस महामानव का अब क्या करें ?
इसके लिए एक सुरक्षित स्थान मेरे दिमाग में है ! स्वर्णनगरी !
मेरा भला कभी नहीं होगा !

समाप्त.